संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 240 बुधवार 02 जुलाई 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महत्वपूर्ण खबर

बंगाल को जल्द मिलेगा राज्य का पहला-1 एआई हब

कोलकाता,01 जुलाई 2025(ए)। एआई का दौर है और कहा जा रहा है कि आने वाले दौर में युद्ध भी एआई की मदद से हो सकता है। यानी जो देश एआई में आगे होगा उसका डंका तकनीक के दौर में बजेगा। ऐसे में बंगाल की सीएम ममता बनर्जी की माने तो राज्य की पहली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित परियोजना लगभग पूरी हो चुकी है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आज घोषणा की है कि

न्यू टाउन के एक अत्याधुनिक आईटी हब के लिए 'ऑक्युपेंसी सर्टिफिकेट' जारी कर दिया गया है। यह एआई सेंटर आईटीसी इन्फोटेक द्वारा न्यू टाउन के एक्शन एरिया-थ्री में 17 एकड़ जमीन पर विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना से सीधे तौर पर पांच हजार पेशेवरों को रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर लिखा,मैं खुशी के साथ साझा कर रही हूं कि न्यू टाउन कोलकाता डेवलपमेंट अथॉरिटी (एनकेडीए) ने एक्शन एरिया-थ्री में स्थित आईटीसी लिमिटेड के विश्वस्तरीय आईटी और आईटीईएस परिसर के लिए 'ऑक्युपेंसी सर्टिफिकेट' जारी कर दिया है।

तेलंगाना केमिकल फैक्ट्री धमाके में 37 की मौत

» मलबे से 31 शव बरामद

संगारेड्डी,01 जुलाई 2025(ए)। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में सोमवार सुबह दवा बनाने वाली फैक्ट्री की रिएक्टर यूनिट में विस्फोट। फैक्ट्री की भट्टी में विस्फोट हो गया और आग लग गई। इस दुर्घटना में अब तक 37 श्रमिकों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, तथा 35 से अधिक श्रमिक गंभीर रूप से घायल हैं, जिनका विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि फैक्ट्री की छत से मलबा उड़कर पास के पेड़ों पर जा गिरा। एक श्रमिक ने बताया कि जैसे ही वह नाश्ते के बाद काम पर लौटा तो अचानक जोरदार विस्फोट हुआ और चारों ओर धुआं फैल गया। वहीं, पास की एक फैक्ट्री में काम करने वाले एक श्रमिक ने बताया कि विस्फोट से आधा किलोमीटर दूर स्थित कई घरों की खिड़कियों के शीशे टूट गए।

लिव इन पार्टनर का मर्डर

2 दिन चादर में लपेटकर बेड पर रखा शव

भोपाल,01 जुलाई 2025(ए)। मध्यप्रदेश में भोपाल के बजरिया थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज मर्डर केस सामने आया है। यहां एक शख्स ने अपनी लिव-इन पार्टनर को मौत के घाट उतार दिया। 27 जून को हुई हत्या के बाद 29 साल की मृतका रितिका सेन का शव पूरे चार दिन बाद सोमवार शाम को गायत्री नगर के एक मकान से बरामद किया गया है।

159 भारतीयों को लौटने का इंतजार...

भारत-पाकिस्तान ने एकदूसरे को सौंपी कैदियों,मछुआरों की लिस्ट

नई दिल्ली,01 जुलाई 2025 (ए)। भारत और पाकिस्तान ने मंगलवार को नई दिल्ली और इस्लामाबाद में राजनयिक चैनलों के माध्यम से एक-दूसरे की हिरासत में बंद नागरिक कैदियों और मछुआरों की सूचियों का आदान-प्रदान किया। 2008 में कांसुलर एक्सेस पर द्विपक्षीय समझौते के प्रावधानों के तहत, ऐसी सूचियों का आदान-प्रदान हर साल 1 जनवरी और जुलाई को किया जाता है। इसके तहत 159 लोग ऐसे हैं जो अपनी सजा पूरी करने के बावजूद स्वदेश लौटने का इंतजार कर रहे हैं।

भारत ने दिए 382 नाम

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पाकिस्तान से अनुरोध किया गया है कि वह सभी नागरिक कैदियों और मछुआरों की सुरक्षा, संरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करे, जब तक कि उनकी रिहाई और भारत को प्रत्यावर्तन नहीं हो जाता। इसमें कहा गया है कि भारत ने अपनी हिरासत में 382 नागरिक कैदियों और 81 मछुआरों के नाम साझा किए हैं, जो पाकिस्तानी हैं या जिनके बारे में माना जाता है कि वे पाकिस्तानी हैं।

पाकिस्तान की हिरासत में 53 कैदी,193 मछुआरे

इसी तरह, पाकिस्तान ने अपनी हिरासत में 53 नागरिक कैदियों और 193 मछुआरों के नाम साझा किए हैं, जो भारतीय हैं या जिनके बारे में माना जाता है कि वे भारतीय हैं। भारत सरकार ने वर्तमान में पाकिस्तान की हिरासत में मौजूद नागरिक कैदियों और मछुआरों की शीघ्र रिहाई और प्रत्यावर्तन का आह्वान किया है।

कांसुलर पहुंच की रखी मांग

खासकर उन लोगों का जिन्होंने पहले ही अपनी जेल की सजा पूरी कर ली है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान से 159 भारतीय मछुआरों और नागरिक कैदियों की रिहाई और प्रत्यावर्तन में तेजी लाने के लिए कहा गया है, जिन्होंने अपनी सजा पूरी कर ली है। इसके अतिरिक्त, पाकिस्तान से उसकी हिरासत में मौजूद 26 नागरिक कैदियों और मछुआरों को तत्काल कांसुलर पहुंच उपलब्ध कराने को कहा गया है।

कितने कैदी,मछुआरे लौटे भारत

भारत ने पाकिस्तान से उन 80 पाकिस्तानी कैदियों और मछुआरों की राष्ट्रीयता की पुष्टि करने का भी अनुरोध किया है, जो वर्तमान में भारत की हिरासत में हैं, क्योंकि पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा राष्ट्रीयता सत्यापन के अभाव में उनका प्रत्यावर्तन लंबित है। विदेश मंत्रालय के बयान में आगे कहा गया है कि निरंतर कूटनीतिक प्रयासों के परिणामस्वरूप 2014 से 2,661 भारतीय मछुआरों और 71 नागरिक कैदियों को पाकिस्तान से वापस लाया गया है। इसमें 2023 के बाद से 500 मछुआरों और 13 नागरिक कैदियों को वापस लाया जाना शामिल है।

संपतिया उईके पर 1 हजार करोड़ की घूसखोरी का आरोप

पीएमओ ने दिए जांच के आदेश,मचा हडकंप

भोपाल,01 जुलाई 2025 (ए)। मध्यप्रदेश की आदिवासी नेता और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उइके पर 1000 करोड़ रुपये की घूस लेने का गंभीर आरोप सामने आया है। यह आरोप जल जीवन मिशन के तहत राज्य को मिले फंड में कथित भ्रष्टाचार को लेकर लगाया गया है। इस मामले में प्रधानमंत्री कार्यालय ने 7 दिन में रिपोर्ट तलब की है, जिससे प्रदेश की राजनीति में हलचल मच गई है। खास बात है कि मंत्री के ही विभाग ने मंत्री के खिलाफ जांच के आदेश दिए हैं। आदेश सामने आने के बाद विभाग ने खंडन जारी किया है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने खुद अपनी मंत्री के खिलाफ प्रारंभिक जांच के आदेश दिए हैं. प्रमुख अभियंता संजय अधवान ने यह आदेश उस शिकायत के आधार पर दिए, जो पूर्व विधायक किशोर समरीते ने 12 अप्रैल 2025 को प्रधानमंत्री के नाम भेजी थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि जल जीवन मिशन के लिए केंद्र से मिले 30,000 करोड़ रुपये में से मंत्री संपतिया उइके ने 1000 करोड़ रुपये कमीशन के रूप में लिए हैं। इसके साथ ही शिकायत में संबंधित मंडल के कार्यपालन यंत्रों पर भी कमीशन वसूली में शामिल होने के आरोप है। पीएमओ ने राज्य सरकार को निर्देश दिए हैं कि वे जल जीवन मिशन के लिए भेजे गए 30 हजार करोड़ के पहले फेज की उपयोगिता और खर्च की जांच करें और मंत्री तथा संबंधित अधिकारियों की संपत्तियों का विवरण दें।

कांग्रेस ने बोला सरकार पर हमला

मंत्री के मामले के सार्वजनिक होने के बाद राजनीतिक हलकों में भूचाल आ गया है। विपक्षी दलों ने सरकार पर हमला बोलते हुए इस घोटाले को भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा उदाहरण बताया है।

उपनेता प्रतिपक्ष ने कहा जांच उन्हीं के विभाग के अफसर कर रहे हैं,यह न्याय नहीं बल्कि मज़ाक है। जब तक जांच चले, मंत्री नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दें। यदि सीबीआईजांच हाईकोर्ट की निगरानी में नहीं होती, तो हम अदालत जाएंगे। कटारे ने यह भी कहा कि आगामी विधानसभा सत्र में विपक्ष इस पूरे घोटाले को पूरी ताकत से बेनकाब करेंगे।

मंत्री संपतिया उइके का जवाब

मामला सामने आने के बाद मंत्री का जवाब भी सामने आया है। उन्होंने कहा मैं बिल्कुल सही हूं जांच करें,मुझे कोई परेशानी नहीं है। मुझे परेशान किया जा रहा है। मेरी सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ है। अगर कोई शिकायत आती है तो हमारी सरकार खुद जांच करवाती है। उन्होंने आगे कहा कि मैं मुख्यमंत्री से मिलने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे और एक-एक सवाल का जवाब दूंगी। मेरा संगठन मुझे जानता है कि मैं कैसी हूं।

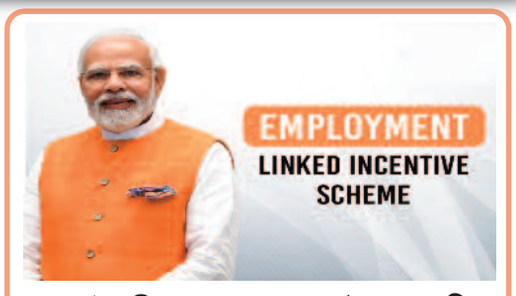

मोदी सरकार ने कई योजनाओं को दी मंजूरी

नई दिल्ली,01 जुलाई 2025(ए)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एम्प्लाईमेंट लिंक्ड इनसेंटिव योजना को मंजूरी दे दी है। इस योजना के तहत सभी क्षेत्रों में रोजगार पैदा करने,रोजगार क्षमता बढ़ाने और सामाजिक सुरक्षा बढ़ाने की तैयारी है। सरकार का प्लान इस योजना के तहत 2 साल में 3.5 करोड़ से ज्यादा लोगों को नौकरी देना है। वहीं पहली बार काम करने वालों पर सरकार 2 किस्तों में एक महीने के वेतन के बराबर सब्सिडी 15000 रुपये तक देगी। इस योजना का उद्देश्य विनिर्माण क्षेत्र पर फोकस करते हुए पहली बार काम करने वालों के लिए प्रोत्साहन देना है। साथ ही देश में बेरोजगारी को कम करना है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस स्कीम को लेकर विस्तार से जानकारी शेयर की. उन्होंने बताया कि एक लाख करोड़ रुपये के खर्च के साथ दो वर्षों में 3.5 करोड़ से अधिक नौकरियों के रोजगार सृजन का समर्थन करने के लिए इस योजना को बनाया गया है। यह स्कीम सभी से चर्चा करने के बाद तैयार की गई है।

पाकिस्तान पर गिरेगा एक और वाटर बम

क्या है भारत की तुलबुल परियोजना,जिससे तिलमिला उठेगा पाक

नई दिल्ली,01 जुलाई 2025(ए)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को रद्द कर पाकिस्तान को बड़ा झटका दिया था। लेकिन अब उस पर एक और वाटर बम गिराने की तैयारी है। दरअसल, भारत ने जम्मू-कश्मीर की तुलबुल परियोजना को दोबारा शुरू करने का निर्णय किया है. इस नदी के जरिये भारत झेलम नदी के पानी का भरपूर इस्तेमाल करेगा, जो जम्मू-कश्मीर में पेयजल संकट दूर करेगा। पाकिस्तान लंबे समय से इस जल परियोजना का विरोध करता रहा है।

एस जयशंकर ने पाकिस्तान को किया बेनकाब,आतंकवादियों को छूट नहीं दी जाएगी

नई दिल्ली,01 जुलाई 2025(ए)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने क्वाड की बैठक से पहले संयुक्त राष्ट्र हेडक्वार्टर में पाकिस्तान को आतंकवाद के मामले में एक्सपोज कर दिया है।

दरअसल यूएन हेडक्वार्टर में आतंकवाद के मुद्दे पर एक कार्यक्रम में विदेश मंत्री एस जयशंकर संबोधित कर रहे थे। इस दौरान एस जयशंकर ने कहा, आतंकवाद मानवता के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक है। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित प्रदर्शनी 'द ह्यूमन कॉस्ट ऑफ टेररिज्म के उद्घाटन के दौरान विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने कहा कि जब एक देश अपने पड़ोसी के खिलाफ आतंकवाद का समर्थन करे, तो उसके खिलाफ सार्वजनिक रूप से आवाज उठाना जरुरी हो जाता है।

रवींद्र चव्हाण निर्विरोध बने महाराष्ट्र बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष

मुंबई,01 जुलाई 2025 (ए)। महाराष्ट्र भाजपा को नया प्रदेश अध्यक्ष मिल गया है। रवींद्र चव्हाण को पार्टी ने निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष चुना है। वह अब तक कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी निभा रहे थे, और पार्टी के भीतर उन्हें इस पद के लिए सर्वसम्मति से उपयुक्त माना गया। प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए नामांकन प्रक्रिया में किसी अन्य नेता ने आवेदन नहीं किया,जिसके चलते रवींद्र चव्हाण को निर्विरोध चुन लिया गया।

दोनों यादव कथावाचक गायब

जांच टीम को घर पर लटके मिले ताले, मोबाइल भी स्वीच ऑफ

इटावा,01 जुलाई 2025(ए)। इटावा में भागवतकथा के दौरान जाति पूछकर कथावाचक मुकुट मणि और संत यादव की पिटाई के मामले में नया मोड़ आ गया है। दोनों यादव कथावाचक अपने घर से 'गायब' है। जांच करने पहुंची टीम को दोनों कथावाचक के घर पर ताले लटके मिले. दोनों के मोबाइल भी स्वीच ऑफ आ रहे हैं। जांच टीम ने इस बारे में उनके पड़ोसियों से बात की तो पता चला कि घटना के बाद से ही सब लोग गायब हैं। इटावा में पिटाई, चोटी काटने और मूत्र छिड़कने का मुकदमा दर्ज कराने के बाद इस मामले की जांच झांसी पुलिस को सौंपी गई है जिसे 90 दिन में अपनी रिपोर्ट सौंपनी है। एसएसपी झांसी बीबीजीटीएस मूर्ति ने पूंछ थाना प्रभारी जेपी पाल को जांच टीम का प्रभारी बनाया है। यह टीम पूरे मामले की जांच के लिए इटावा पहुंची थी. जहां उन्होंने घटनास्थल, कार्यक्रम स्थल और गांव का निरीक्षण किया। स्थानीय ग्रामीणों से बातचीत कर बयान भी दर्ज किए गए। जांच टीम प्रभारी वहां से कथावाचकों के बताए पते पर गांव अछल्दा पहुंचे। जहां उनके घरों पर ताला लगा हुआ मिला। उनसे फोन पर संपर्क करने का भी प्रयास किया गया तो उनके फोन भी बंद जा रहे थे।

बंद फ्लैट में एक ही परिवार के तीन लोगों की रहस्यमयी मौत

हावड़ा,01 जुलाई 2025(ए)। जिले के जगाछा थाना अंतर्गत रामराजातला इलाके में आज तब हड़कंप मच गया जब एक बंद फ्लैट से एक ही परिवार के तीन सदस्यों के शव मिले। ऐसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की रहस्यमयी मौत घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतकों की पहचान बलराम खां (65), झउनकी पत्नी शेली खां (57) और बेटे संबृत खां के रूप में हुई है। पुलिस ने शवों को बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और इस बात की जांच शुरू कर दी है कि यह मामला हत्या का है या सामूहिक आत्महत्या का। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने जहर खाकर आत्महत्या की आशंका जताई है।

एमपी में इन छात्रों के लिए दोबारा होगी परीक्षा

हाई कोर्ट का बड़ा आदेश

इंदौर,01 जुलाई 2025(ए)। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी को परीक्षा केंद्रों पर बिजली गुल होने से प्रभावित उम्मीदवारों के लिए नीट -यूजी की दोबारा परीक्षा आयोजित करने का आदेश दिया है। अदालत ने कहा कि बिना किसी गलती के भी उन्हें नुकसान पहुंचाया गया। अदालत ने याचिकाकर्ताओं को राहत देने के लिए भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 का हवाला दिया, जो सभी नागरिकों के लिए समानता और न्याय के सिद्धांत को स्थापित करता है।

संदिग्ध आतंकी अबुबकर सिद्दीक और मोहम्मद अली गिरफ्तार

कोयंबटूर,01 जुलाई 2025 (ए)। तमिलनाडु की कोयंबटूर पुलिस ने दो प्रमुख संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। नागूर निवासी अबुबकर सिद्दीक और मेलापलायम निवासी मोहम्मद अली को आंध्र प्रदेश के अन्नमय्या जिले से गिरफ्तार किया गया है। ये दोनों पिछले लगभग 30 साल से फरार थे। ये दोनों तमिलनाडु में कई बड़े बम धमाकों के मामलों में वांछित रहे हैं। गिरफ्तार किए गए दोनों आतंकियों पर कई घटनाओं में शामिल होने के आरोप हैं। इन आरोपों की एक लिस्ट सामने आई है। इनमें चेन्नई स्थित हिंदू मुन्ननी कार्यालय में धमाका और बेंगलुरु स्थित भाजपा कार्यालय में धमाका भी शामिल है।

संपादकीय

वेबकास्टिंग फुटेज सार्वजनिक करना सही नहीं

चुनाव आयोग ने कहा है कि मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग फुटेज सार्वजनिक करना सही नहीं है। इससे मतदाताओं या समूहों की पहचान करना आसान हो जाएगा। मत देने या मत न देने वाला,दोनों ही असामाजिक तत्वों के दबाव,भेदभाव या धमकी का शिकार हो सकते हैं। यह मतदाताओं की सुरक्षा, गोपनीयता व जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950-51 में निर्धारित कानूनी प्रावधानों व सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन होगा।लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को दिए जवाब में आयोग ने यह कहा जिसमें चुनाव धांधली के आरोपों के बाद सीसीटीवी फुटेज की मांग की गई थी। इससे पहले गांधी ने सोशल माडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, वोटर लिस्ट? मशीन रीडेबल फाम्रेट नहीं देंगे,सीसीटीवी फुटेज? कानून बदल कर छिपा दी।आगे उन्होंने लिखा-साफ दिख रहा है-मैच फिक्स है और फिक्स किया गया चुनाव,लोकतंत्र के लिए जहर है। दरअसल,आयोग के अनुसार,चुनाव के दौरान ली गई तस्वीरें, वीडियो व बेवकास्टिंग सिर्फ पैंतालीस दिन तक सुरक्षित रखी जाएंगी।किसी निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव नतीजों को अदालत में चुनौती नहीं दी जाती तो पैंतालीस दिन बाद यह डाटा नष्ट कर दिया जाएगा। कांग्रेस इसका शुरू से ही दोहरा रही है कि यह डाटा साल भर तक सुरक्षित रखा जाता था। कांग्रेस इसे चुनाव आयोग व मोदी सरकार की मिली-भगत ठहराते हुए लोक तांत्रिक व्यवस्था को खत्म करने की साजिश बता रही है। बेशक, आयोग के तर्क अपनी जगह उचित हैं मगर उसे सरकार के दबाव में आए बगैर अपनी स्वायत्तता का ख्याल रखना चाहिए।विपक्षी दलों की दलीलें सुनना उसका जिम्मा है। आशंकाओं व चिंताओं को मिटाने के प्रति उसे जवाबदेह भी होना होगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था में न केवल विपक्षी राजनीतिक दल, बल्कि स्वयं मतदाता भी अपनी जिज्ञासाएं रखने को स्वतंत्र है। मतदाताओं की सुरक्षा व गोपनीयता निश्चित रूप से बेहद जरूरी हैं।मगर अपने उम्मीदवार के पक्ष-विपक्ष या धांधली के आरोपों की पुष्टि कराना भी दलों का जिम्मा है। अव्वल तो गांधी को बगैर सबूतों के इतने गंभीर आरोप लगाने से बचना चाहिए परंतु आयोग को भी उनकी आशंकाएं मिटाने का भरपूर प्रयास करना होगा।पैंतालीस दिन किसी भी आशंका या आरोप के लिए कम नहीं कहे जा सकते। आयोग को वरिष्ठ पदाधिकारियों को बुला कर अति सुरक्षित व गोपनीय व्यवस्था में विवादित फुटेज दिखाने का प्रावधान भी जोडना़ होगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही अति आवश्यक है।

जीरो डोज बच्चे:टीकाकरण में छूटे हुए भारत की तस्वीर

डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी)
भिवानी,हरियाणा

भारत में 2023 में 1.44 मिलियन बच्चे'ज़ीरो डोज़'श्रेणी में थे, जिनमें अधिकांश गरीब, अशिक्षित, जनजातीय, मुस्लिम और प्रवासी समुदायों से आते हैं। भूगोलिक अवरोध,सामाजिक हिचकिचाहट,शहरी झुग्गियों में अव्यवस्थित शासन और निगरानी की कमी प्रमुख चुनौतियाँ हैं। मिशन इंद्रधनुष जैसी योजनाएँ सीमित प्रभावी रही हैं। समाधान के लिए समुदाय-आधारित सहभागिता, तकनीक आधारित ट्रैकिंग,प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी और सामाजिक व्यवहार परिवर्तन संचार आवश्यक है। जब तक हम नीति को अंतिम व्यक्ति के अधिकार से नहीं जोड़ते, सार्वभौमिक टीकाकरण केवल एक सपना बना रहेगा। न्यायपूर्ण स्वास्थ्य नीति ही भविष्य की नींव रख सकती है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में सार्वभौमिक टीकाकरण केवल एक स्वास्थ्य अभियान नहीं,बल्कि सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन जब हम यह देखते हैं कि लाखों बच्चे अब भी 'ज़ीरो डोज़' की स्थिति में हैं, यानी उन्हें जन्म के बाद एक भी टीका नहीं मिला, तो यह सवाल उठना लाजिमी है कि हम कहां चूक रहे हैं? क्या हमारी स्वास्थ्य नीति केवल आंकड़ों की बुनियाद पर खड़ी है या फिर वास्तव में समाज के सबसे वंचित तबकों तक इसका लाभ पहुंच रहा है? लैंसेट (2024) की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2023 में भारत में 1.44 मिलियन बच्चे ऐसे थे जिन्हें कोई भी टीका नहीं मिला था। यह संख्या केवल एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि उन परिवारों की अनकही पीड़ा है, जिनके बच्चों को स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित कर दिया गया। जीरो डोज बच्चों की सबसे अधिक संख्या उन राज्यों में देखने को मिलती है जहां गरीबी,अशिक्षा, जातीय या धार्मिक हाशियाकरण और प्रशासनिक उदासीनता का मजबूत मेल है। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश,राजस्थान,गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्य इसकी प्रमुख मिसाल हैं, जहां सामाजिक-आर्थिक विषमताएं टीकाकरण की पहुंच को सीमित कर देती हैं।

गरीबी और मातृ शिक्षा का स्तर टीकाकरण में बाधा डालने वाले सबसे बड़े कारकों में से हैं। एक दिहाड़ी मजदूर,जो रोज़ी-रोटी की लड़ाई में सुबह से शाम तक खटता है, उसके लिए बच्चे को लेकर सरकारी अस्पताल जाना एक 'नुकसानदेह' निर्णय बन जाता है। यदि उस दिन मजदूरी नहीं हुई, तो पेट नहीं भरता। ऐसे में स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच एक विलासिता बन जाती है। इसके साथ-साथ यदि मां अशिक्षित है, तो उसे टीकाकरण की जरूरत, प्रक्रिया और लाभ की पूरी जानकारी नहीं होती। यह जानकारी का अभाव ही बच्चों को स्वास्थ्य अधिकार से वंचित कर देता है।

अन्य महत्वपूर्ण पहलू है जनजातीय, मुस्लिम और प्रवासी समुदायों की स्थिति। इन समुदायों के भीतर टीकाकरण दर बेहद कम है, और इनमें अविश्वास, सांस्कृतिक आशंकाएं,और सरकार के प्रति संदेह गहरे हैं। विशेष रूप से मुस्लिम बहुल इलाकों में धार्मिक भ्रांतियां और अफवाहें टीकाकरण को 'हराम' या शरीर पर साजिश मानने तक की धारणा बना देती हैं। कोविड-19 के दौरान फैली झूठी सूचनाएं भी इस अविश्वास को और पुख्ता कर गईं। लोगों ने देखा कि टीकाकरण शिविरों में कोई स्पष्ट संवाद नहीं है,केवल सरकारी दबाव है। इससे उनके बीच डर और बढ़ गया। शहरी झुग्गियों और दूरस्थ क्षेत्रों की बात करें तो वहां स्वास्थ्य सेवाओं का हाल और भी दयनीय है। पूर्वोत्तर भारत के राज्यों जैसे नागालैंड,मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में दुर्गम भूगोल,सीमित स्वास्थ्यकर्मी और आधारभूत ढांचे की कमी,टीकाकरण कार्यक्रम की सफलता में सबसे बड़ी रुकावट हैं। इन इलाकों में न तो वैक्सीन समय पर पहुंचती है, न ही प्रशिक्षित कर्मी, और न ही माताओं को जानकारी देने वाली फ्रंटलाइन वर्कर।

अब बात करें शासन और कार्यक्रम संबंधी विफलताओं की। मिशन इंद्रधनुष एक महत्वाकांक्षी योजना थी, जिसका उद्देश्य 90त्न पूर्ण टीकाकरण कवरेज पाना था। लेकिन राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) के अनुसार यह आंकड़ा केवल 76त्न तक ही पहुंच सका। कई जिलों में तो यह और भी कम है। इसके पीछे कारण हैं-प्रशासनिक उदासीनता, स्वास्थ्य कर्मचारियों की कमी, और ज़मीनी स्तर पर अनुश्रवण की असफलता। शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य जिम्मेदारियों का बंटवारा राज्य सरकार, नगर निगम और अन्य संस्थानों के बीच इतना उलझा हुआ है कि जवाबदेही कहीं दिखती ही नहीं। एक झुग्गी बस्ती में टीकाकरण की जिम्मेदारी कौन लेगा, इसका कोई स्पष्ट निर्धारण नहीं है।

साथ ही, निगरानी तंत्र की कमी भी एक बड़ी समस्या है। हमारे पास इलेक्ट्रॉनिक वैक्सीन इंटेलिजेंस नेटवर्क जैसी प्रणाली जरूर है, जो वैक्सीन की लॉजिस्टिक ट्रैकिंग करती है, लेकिन यह प्रणाली बच्चे के स्तर तक अनुगमन सुनिश्चित नहीं करती। इससे पता नहीं चल पाता कि किस बच्चे ने कौन सा टीका लिया और कौन छूट गया। कोविड-19 महामारी ने इस पूरे तंत्र को हिला कर रख दिया। जब सारे संसाधन कोविड टीकाकरण में झोंक दिए गए, तब नियमित टीकाकरण जैसे कार्यक्रम पृष्ठभूमि में चले गए, जिससे लाखों बच्चों का टीकाकरण रुक गया।

इन समस्याओं का समाधान केवल घोषणाओं या तकनीकी सुधारों से नहीं हो सकता। इसके लिए नीतिगत बदलावों की आवश्यकता है जो सामाजिक न्याय के मूल्यों पर आधारित हों। सबसे पहले, टीकाकरण योजनाओं को समुदाय-विशेष और क्षेत्र-विशेष रणनीति के तहत चलाना होगा। मिशन इंद्रधनुष 5.0 के तहत उच्च बोझ वाले जिलों में सूक्ष्म नियोजन और सामाजिक व्यवहार परिवर्तन संचार को प्रमुखता देनी होगी। सिर्फ वैक्सीन पहुंचा देना काफी नहीं है, लोगों में विश्वास और भागीदारी पैदा करनी होगी। इसके लिए हमारी जमीनी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं–जैसे आशा, एएनएम और आंगनवाड़ी वर्कर–को सशक्त बनाना होगा। उन्हें न केवल प्रशिक्षण और मोबिलिटी की सुविधा दी जाए,बल्कि सम्मानजनक प्रोत्साहन भी दिया जाए। स्वास्थ्यकर्मी जब अपने क्षेत्र में भरोसे से काम करेंगे, तभी परिवार उन पर विश्वास करेगा। इसके साथ-साथ,राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन को मजबूती से लागू करना होगा,ताकि झुग्गियों में रहने वाले लाखों बच्चों को भी नियमित टीकाकरण की सुविधा मिले।

तकनीक का प्रयोग तभी सार्थक है जब वह जनहित में हो और अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। आधार से जुड़े टीकाकरण रिकॉर्ड,मोबाइल आधारित टीकाकरण वैन,और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित डैशबोर्ड इन सबको लागू करना होगा ताकि हर बच्चे का डिजिटल रिकॉर्ड हो और छूटे हुए बच्चों की पहचान तुरंत हो सके। लेकिन तकनीक के साथ मानवीय स्पर्श जरूरी है। टीकाकरण केवल एक इंजेक्शन नहीं, विश्वास का रिश्ता है–यह समझना होगा।

सामुदायिक सहभागिता का महत्व आज और अधिक बढ़ गया है। स्वयं सहायता समूह,धार्मिक नेताओं,शिक्षक-गुरुजनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को अभियान में जोड़ना होगा ताकि यह संदेश हर घर तक पहुंचे कि टीकाकरण बच्चों का अधिकार है, कोई अनावश्यक खतरा नहीं। बांग्लादेश जैसे देश ने यह सिद्ध किया है कि घर-घर जाकर टीकाकरण किया जाए तो पहुंच और स्वीकार्यता दोनों बढ़ती हैं। रवांडा जैसे अफ्रीकी देश में मोबाइल हेल्थ क्लिनिक ने दुर्गम क्षेत्रों में चमत्कारी परिणाम दिए हैं। भारत को इन्हीं से प्रेरणा लेकर अपना मॉडल बनाना होगा। सरकार को केवल लक्ष्यपूर्ति पर ध्यान नहीं देना चाहिए,बल्कि उसे यह देखना होगा कि कौन छूट रहा है, और क्यों। सामाजिक रूप से बहिष्कृत वर्गों को केंद्र में रखकर नीतियां बनानी होंगी। वरना हम हर साल नई योजनाएं लाते रहेंगे, आंकड़ों में बढ़ोतरी दिखाते रहेंगे, और देश के लाखों बच्चों का बचपन बिना सुरक्षा के,जोखिम में पला करता रहेगा।

भारत का सार्वभौमिक टीकाकरण लक्ष्य तभी साकार होगा जब नीति, नीयत और निष्पादन तीनों स्तरों पर ईमानदारी हो। किसी भी समाज की प्रगति का सबसे बड़ा पैमाना उसका स्वास्थ्य स्तर होता है, और उसमें भी बच्चों का स्वास्थ्य सर्वोपरि है। यदि हम यह सुनिश्चित नहीं कर पा रहे हैं कि हर बच्चे को उसका पहला टीका समय पर मिले, तो हमें खुद से यह पूछना चाहिए–क्या हम सचमुच एक समान और समावेशी राष्ट्र बना रहे हैं?

सार रूप में,भारत को ज़ीरो डोज़ बच्चों की समस्या को केवल स्वास्थ्य मंत्रालय की चिंता मानकर नहीं छोड़ना चाहिए। यह एक राष्ट्रीय चुनौती है, जिसमें सभी विभागों, समुदायों और नागरिकों की भूमिका है। यह न केवल बच्चों के स्वास्थ्य का मामला है,बल्कि देश की भावी पीढ़ी के भविष्य का प्रश्न भी है। यदि हम सब मिलकर टीकाकरण को केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामाजिक आंदोलन बना सकें–तो शायद आने वाले वर्षों में 'ज़ीरो डोज़'की जगह 'ज़ीरो वंचना' का सपना साकार हो सकेगा। यही सपना एक सच्चे लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की बुनियाद है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

व्हाइट कोट के पीछे:अस्पताल के बाहर एक डॉक्टर का जीवन

विजय गर्ग
चांद मलोट
पंजाब

एक डॉक्टर की छवि अक्सर एक अस्पताल की बाँझ दीवारों तक सीमित होती है, एक सफेद कोट में पहने, हाथ में स्टेथोस्कोप, बीमारियों से जूझ रहा है और जीवन को बचा रहा है। हालांकि यह निर्विवाद रूप से उनके अस्तित्व का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, यह एक समृद्ध, जटिल और अक्सर आश्चर्यजनक रूप से साधारण जीवन का केवल एक पहलू है जो एक बार स्क्रब बहाने और अस्पताल के दरवाजे बंद होने के बाद प्रकट होता है। सफेद कोट के पीछे जुनून, संघर्ष, परिवारों और संतुलन की आवश्यकता के साथ एक इंसान निहित है-किसी और की तरह।

जुगलबंदी अधिनियम:परिवार और व्यक्तिगत जीवन

कई डॉक्टरों के लिए,अस्पताल के बाहर जीवन का सबसे चुनौतीपूर्ण पहलू पेशेवर जिम्मेदारियों और उनके व्यक्तिगत जीवन की मांग के बीच सतत करतब दिखाने वाला कार्य है। लंबे समय तक, ऑन-कॉल कर्तव्यों और उनके काम के भावनात्मक टोल से प्रियजनों को पर्याप्त समय समर्पित करना मुश्किल हो सकता है। फिर भी, कई लोग पारिवारिक जीवन को पूरा करने, अपने रिश्तों में सांत्वना और ताकत पाने में कामयाब होते हैं।

पितृत्व:डॉक्टर-माता-पिता को अक्सर अद्वितीय बाधाओं का सामना करना पड़ता है। स्कूल की घटनाओं को याद करना,देर रात कॉल करना,और काम से संबंधित तनाव घर लाने का लगातार खतरा वास्तविकताएं हैं। हालांकि,कई लोग उपस्थित होने के लिए रचनात्मक तरीके ढूंढते हैं,चाहे वह समर्पित सप्ताहांत समय,प्रौद्योगिकी-सहायता प्राप्त संचार, या एक साथी के अटूट समर्थन के माध्यम से हो।

साझेदारी:पति-पत्नी और डॉक्टरों के साथी अक्सर अपने प्रियजन के पेशे की अप्रत्याशित प्रकृति को समझते हुए एक महत्वपूर्ण बोझ उठाते हैं। इन रिश्तों के पनपने के लिए मजबूत संचार, आपसी समझ और साझा जिम्मेदारियां महत्वपूर्ण हैं।

दोस्ती:अनियमित शेड्यूल के कारण दोस्ती बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। हालांकि,डॉक्टर अक्सर उन सहयोगियों के साथ गहरे बंधन बनाते हैं जो अपनी नौकरी के अनूठे दबावों को समझते हैं, साथ ही चिकित्सा दुनिया के बाहर से दोस्ती का पोषण करते हैं जो एक ताज़ा परिप्रेक्ष्य प्रदान करते हैं।

चिकित्सा से परे- शौक और जुनून

जबकि दवा उनकी कॉलिंग हो सकती है,डॉक्टर अक्सर विविध हितों और शौक वाले व्यक्ति होते हैं जो बहुत आवश्यक राहत और एक रचनात्मक आउटलेट प्रदान करते हैं। ये उद्देश्य तीव्रता से भौतिक से लेकर निर्मल बौद्धिक तक हो सकते हैं:

खेल और फिटनेस:कई डॉक्टर शारीरिक गतिविधि को डी-स्ट्रेस के रूप में प्राथमिकता देते हैं और अपने स्वयं के स्वास्थ्य को बनाए रखते हैं। मैराथन दौड़ना,साइकिल चलाना,लंबी पैदल यात्रा,योग या टीम के खेल आम आउटलेट हैं।

कला और संस्कृति: संगीत वाद्ययंत्र बजाने और पेंटिंग से लेकर लेखन, फोटोग्राफी या थिएटर में भाग लेने तक, कई डॉक्टर कलात्मक प्रयासों में सांत्वना और अभिव्यक्ति पाते हैं। ये गतिविधियाँ अपने काम की अक्सर विश्लेषणात्मक और वैज्ञानिक प्रकृति के लिए एक शक्तिशाली असंतुलन प्रदान कर सकती हैं।

यात्रा और अन्वेषण:यात्रा के माध्यम से दैनिक दिनचर्या से बचना डॉक्टरों को नई संस्कृतियों को डिस्कनेक्ट करने, अनुभव करने और उनके दृष्टिकोण को व्यापक बनाने की अनुमति देता है।

सामुदायिक भागीदारी: कुछ डॉक्टर अपना सीमित खाली समय स्वेच्छा से समर्पित करते हैं, सामुदायिक परियोजनाओं में संलग्न होते हैं, या स्वास्थ्य संबंधी कारणों की वकालत करते हैं, अस्पताल की दीवारों से परे अपना प्रभाव बढ़ाते हैं।

आजीवन सीखना: आश्चर्यजनक रूप से, कई डॉक्टर शिक्षार्थी बने रहते हैं, चिकित्सा के बाहर विषयों में तल्लीन होते हैं, बड़े पैमाने पर पढ़ते हैं, या असंबंधित क्षेत्रों में आगे की शिक्षा प्राप्त करते हैं।

मानसिक और भावनात्मक परिदृश्य: जिम्मेदारी का वजन, मानव पीड़ा के संपर्क में, और प्रदर्शन करने के लिए निरंतर दबाव डॉक्टर की मानसिक और भावनात्मक भलाई पर एक महत्वपूर्ण टोल ले सकता है। अस्पताल के बाहर के जीवन में अक्सर शामिल होता है-

डी-स्ट्रेसिंग और अनवाइंडिंग: तनाव के लिए स्वस्थ मुकाबला तंत्र विकसित करना सर्वोपरि है। इसमें माइंडफुलनेस, मेडिटेशन, प्रकृति में समय बिताना, या बस प्रतिबिंब के शांत क्षणों का आनंद लेना शामिल हो सकता है।

प्रोसेसिंग ट्रॉमा: डॉक्टर अक्सर दर्दनाक घटनाओं के गवाह होते हैं। वे सहकर्मियों, चिकित्सकों से समर्थन प्राप्त कर सकते हैं, या उन गतिविधियों में संलग्न हो सकते हैं जो उन्हें इन अनुभवों को संसाधित करने और तुलना करने में मदद करती हैं।

उद्देश्य से परे काम ढूँढना: जबकि उनका पेशा अविश्वसनीय रूप से सार्थक है, कई डॉक्टर जानबूझकर एक अच्छी तरह से गोल पहचान बनाए रखने के लिए दवा के बाहर के क्षेत्रों में उद्देश्य और पूर्ति की तलाश करते हैं।

द अनसंग हीरोज: सपोर्ट सिस्टम

अस्पताल के बाहर एक पूरा जीवन जीने वाले हर डॉक्टर के पीछे अक्सर अनसंग नायक होते हैं-उनके साथी, परिवार और करीबी दोस्त जो अटूट समर्थन,समझ और प्यार प्रदान करते हैं। वे वही हैं जो सुस्त उठाते हैं, सुनने वाले कान की पेशकश करते हैं, और दुनिया के डॉक्टरों को उनके मांग वाले पेशे से परे याद दिलाते हैं।

अंत में, व्हाइट कोट के पीछे जीवन की एक जीवंत टेपेस्ट्री का पता चलता है जो जुनून, समर्पण और संतुलन के लिए निरंतर प्रयास के साथ रहता था। डॉक्टर केवल चिकित्सा पेशेवर नहीं हैं,वे माता-पिता, साथी,दोस्त,कलाकार, एथलीट और समुदाय के सदस्य हैं। इस मानव आयाम को समझना न केवल अधिक सहानुभूति को बढ़ावा देता है,बल्कि अपार व्यक्तिगत बलिदानों और उल्लेखनीय लचीलापन टी पर भी प्रकाश डालता है।

कविता
जागौ गा जवान ...

घटती-घटना

लक्ष्मीनारायण सेन
खुटेरी गरियाबंद
छत्तीसगढ़

लालची मन के माथ ला तुम ला झुकाना हे।
मेहनत के ही रोटी संगी हम सब ला खाना हे।।
दहेज के करई खिलाफ एकदम हावै आसान।
पढ़ें लिखे के दे पहचान एकर ले का हे आसान।।
मां बाप बेटा के देख योग्यता होगे हावै स्वार्थी।
शुरूआत तंही कर अउ बन जा पहली परमार्थी।।
अपन संग प्रकृति के बारे मा तो तंय सोंच।
एकात ठन पेड़ ला धरती मा तो तंय खोंच।।
गिरत हे पानी गजब लगाओ तुम रूखराई।
इही मा हावै संगी तोर हमर सबके भलाई।।
झिल्ली प्लास्टिक अब आज ले तंय बिसार।
पर्यावरण संग नहीं ते माटी हो जही बेकार।।
नशा खोरी ला तुम कर दो सब अपन भंग।
पुरखा के बनाए संस्कृति के तुम चलौ संग।।

कविता
बाबा बन जातेंव ...

घटती-घटना

मुकेश उइके
चेपा,पाली
कोरबा,छत्तीसगढ़

रोजगार बिन भटकत हावँव,कास महूँ बाबा बन जातेंव।
डिग्री-सिग्री म का राखे हे,बाबागिरी कर नाँव कमातेंव।
चेला होतिन मोरो अब्बड़,आश्रम खोल धाम लगातेंव।
बइठ के आसन गद्दी मँय ह,भक्तन मन ला ताली बजवातेंव।
कास महूँ बाबा बन जातेंव पाप-पुण्य के डर देखाके,
सरग-नरक के बात बतातेंव।
होतिस रोजे जय-जयकार,अंतर्यामी मँय कहलातेंव।।
कास महूँ बाबा बन जातेंव...सुना-सुनाके पोथी पुरान,
आनी-बानी स्वांग रचातेंव।
परतिन मोरो पँवरी सब झन,भूत-भविष्य मँय देखातेंव।।
कास महूँ बाबा बन जातेंव पूजा करतिन दिन-रात सब,
सबके बिगड़ी काज बनातेंव।
जात-धरम के जाल फाँस म,लोगन मन ल धीरे फँसातेंव।
कास महूँ बाबा बन जातेंव
ठाठ-बाट म जिनगी होतिस,
कार फेरारी चढ़के आतेंव।
एयरकंडीशन वाले घर मा,
ठेलहा होके मजा उड़ातेंव।।
कास महूँ बाबा बन जातेंव....
चलतिस मोरो घर गुजारा,
शिविर लगा दान-पुन पातेंव।
कोन अमीर अउ कोन गरीब,
सबो झन ला ठग-ठग खातेंव।।
कास महूँ बाबा बन जातेंव...

उत्तर भारत में पहाड़ों पर वारिस से तबाही और भूस्खलन से लोगों की परेशानियां बढ़ी

उत्तर भारत में विशेषकर उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश,जम्मू कश्मीर में भारी बारिश से तबाही का मंजर देखने को मिलता है और यह प्रतिवर्ष होता है। उत्तराखण्ड और हिमाचल प्रदेश सड़क,भवन,रास्तों,को भारी नुक्सान होता है। जुलाई, अगस्त, सितंबर,में उत्तरकाशी,गढ़वाल,टिहरी,रानीखेत,अल्मोड़ा ,मंडी,बिलासपुर,शिमला,नैनीताल,देहरादून आदि जिलों में भीषण तबाही होती है।यह सिलसिला विगत तीस साल से बढ़ा है क्योंकि इन क्षेत्रों में तीस लाख पेड़ विकास के नाम पर दस साल में काटे गए हैं। बेहतासा बढ़ते पर्यटन को देखते हुए इन क्षेत्रों में सरकारों ने सड़कों का निर्माण किया है और व्यवसायियों ने होटलों का निर्माण किया है।अकेले शिमला, नैनीताल में 200 होटल है जिनसे पहाड़ों पर वजन बढ़ा है और वारिस के दिनों लैंड स्लाइड्स का खतरा भी हजारों प्रतिशत बड़ा है।भवनों ,बाजारों में अतिक्रमण हो गया है जो पूरे भारत की लाइलाज बीमारी है।पर्वतीय क्षेत्र शोध संस्थान देहरादून के जलवायू शोध कर्ता एस जयशंकर कहते हैं कि पहाड़ों पर हरित क्षेत्रों के चलते यहां नमी अधिक रहती

है इसके अलावा तापक्रम भी कम रहता है इस कारण वारिस बहुत और तेज होती है । कुमायूं और गढ़वाल दोनों स्थानों पर औसत बारिश 2000 मिली मीटर के आसपास है।वारिस के दिनों पानी 3000 मीटर की ऊंचाई से आता है और उसकी ग्रैविटी अधिक होती है जो भूस्लखन का कारण बनती है।पहाड़ कच्चे है जियोलॉजी की भाषा में डिसेंट्रीग्रेटेड रॉक है ।भवनों, सुरंगों,सड़कों के निर्माण के कारण पहाड़ पोली या दरक गए हैं और पानी के तेज बहाव से गिर जाते हैं।कभी कभी पानी भारी सिल्ट लेकर बहते हैं जैसा पिछली बार ब्यास नदी ने मनाली में तबाही मचाई थी।सरकारों की पर्यटन को पर्यावरण से समन्वय बिठाना चाहिए पहाड़ों के दूर दराज के गांव में लैंड स्लाइड्स नहीं होते हैं क्योंकि वे सभी परिस्थितियों को ध्यान में रखकर भवन पगडंडी, पुल बनाते हैं जिसमें अधिकतर लकड़ी के हल्के होते हैं। लेकिन पूरे उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश में कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए हैं। पूरे जम्मू कश्मीर में हालत इतने खराब नहीं जितने उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश में हैं उसका कारण है कि घाटी में पचास साल से तो विकास नहीं हुआ क्योंकि वहां पर आतंकवाद था पर्यटकों का आना जाना नहीं था। तो विकास भी नहीं हुआ। कश्मीर घाटी में अगर श्री नगर को छोड़ दें तो वहां सभी मकान लकड़ी के है। पूरा उत्तराखंड,हिमाचल प्रदेश भूकंप की जद में है।क्योंकि इन क्षेत्रों की टाइटेनिक प्लेट का खिसकने का खतरा बढ़ गया है।अगर कभी भूकंप 8 रैकेटियर स्केल पर आ गया तो तबाही मचा देगा। बांधो के निर्माण से भी खतरा बढ़ गया है।

-अजय दीक्षित-

देश में 1975 का आपातकाल संविधान की अनुच्छेद 352 के तहत लगाया गया था

पचास साल पूरे हो गए देश में आपातकाल लगाने के जो 25 जून 1975 का तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व श्रीमती इंदिरा गांधी के मंत्रिमंडल की सिफारिश पर तत्कालीन राष्ट्रपति जनाब फकरुद्दीन अली अहमद ने संवैधानिक रूप से लगाया था। और कारण था श्रीमती इंदिरा गांधी ने प्रधानमंत्री पद से इतीफा देने के बजाय यह रास्ता सत्ता में बने रहने के लिए चुना था क्योंकि उनके रायबरेली संसदीय चुनाव को इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज जस्टिस सिन्हा ने गैर संवैधानिक मान कर अवैध घोषित कर दिया था। हालांकि अलाहाबाद हाइकोर्ट ने स्व श्रीमती इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के लिए नहीं कहा था। लेकिन तत्कालीन विपक्ष ने जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में देश भर में प्रदर्शन किया था और प्रधानमंत्री को इस्तीफा देने की मांग की थी लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व श्रीमती इंदिरा ने रात्रि के दौरान मंत्रिमंडल की बैठक बुलाकर संविधान की अनुच्छेद 352 के सर्व सम्मति से प्रस्ताव पारित कर तत्कालीन राष्ट्रपति फकुरद्दीन अली अहमद से आपातकाल लगा दिया और नागरिकों के मौलिक अधिकार पर रोक लगाने का कार्य किया।इतना ही नहीं जयप्रकाश नारायण,अटल बिहारी वाजपेई,लाल कृष्ण आडवाणी, मोरारजी देसाई,राजनरायन,सहित पूरे भारत के विपक्ष को रात ही जेल भेज दिया।उत्तर भारत में पूरी जेले नेताओं, कार्यकर्ताओं, और अन्य से भर गईं।19 महीने तक उत्तर भारत, पश्चिमी भारत, पूर्वोत्तर, राज्यों,बिहार,पश्चिमी बंगाल,के राजनीतिक दलों के नेताओं को जेल में रखा गया। सर्वोच्च न्यायालय ने एक फैसले में प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के चुनाव सही,विधि सम्मत माना और अल्लाहवाद हाइकोर्ट का फैसला रद्द कर दिया।भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था, संस्थानों को चोट पहुंची।सबसे अधिक वे पीड़ित रहे जो जेल में बंद थे और उनके परिवारों को आपातकाल की तृष्णा झेलनी पड़ी।तब भारत को आजाद हुए मात्र 28 साल हुए थे लोगो को भूखे पेट रहना पड़ा कुछ लोगों ने मजदूरी कर काम चला या। उनकी महिलाओं पर तो संकट ही गया। दूसरी ओर इंदिरा गांधी और उनके पुत्र संजय गांधी देश को अनुशासन का पाठ पढ़ा रहे थे। अनुसासन तो आदमी तब करेगा जब खाना खाने को दाने हो लोगों को नौकरशाही ने तब बहुत परेशान किया।पुलिस स्टेशनों में ग्रामीण एक एक सप्ताह तक इस लिए बैठे रहते थे कि उनसे धन की मांग हो रही थी।आवाज उठाने वालों को मीसा में बंद कर दिया जाता था।कुल मिलाकर ब्रिटिश रूल लौट आया था। अखबार,अन्य प्रकाशन होने वाली सामग्री पर सेंसरशिप लगी थी।डंडे के डर से रेलगाडिय़ां, अस्पताल समय पर कार्य करने लगे लेकिन वह सब ढकोसला था।

-अजय-

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

शिक्षक साझा मंच ने युक्तियुक्तकरण रद्द,क्रमोन्नति,पेंशन लाभ व बीएड शिथिलीकरण की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

शिक्षकों की चार सूत्रीय मांगों पर सूरजपुर से गुंजी आवाज,साझा मंच ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

■ **शिक्षा विभाग के नियमों की अनदेखी पर फूटा शिक्षकों का गुस्सा,शिक्षक साझा मंच ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन**

सूरजपुर,01 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

शिक्षक साझा मंच ने सरकार के समक्ष अपनी चार प्रमुख मांगों को लेकर एक बार फिर आवाज बुलंद की है। नियम विरुद्ध युक्तियुक्तकरण को निरस्त करने,क्रमोन्नति का जनरल आर्डर,पूर्व सेवा का पेंशन में समावेश तथा बीएड की अनिवार्यता में छूट की मांग करते हुए शिक्षक साझा मंच ब्लाक ईकाई सूरजपुर के ब्लाक संचालक कृष्ण कुमार सोनी, मुन्ना प्रसाद सोनी और चन्द्रदेव चक्रधारी के नेतृत्व में सूरजपुर जिला मुख्यालय के रंगमंच मैदान से अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय सूरजपुर तक रैली निकालकर अनुविभागीय अधिकारी को मुख्यमंत्री महोदय,शिक्षा सचिव महोदय और संचालक महोदय लोक शिक्षण संचालनालय रायपुर के नाम ज्ञापन सौंपा । यह ज्ञापन केवल एक मांगपत्र नहीं बल्कि शिक्षकों की पीड़ा की गूंज है, जो अब? आंदोलन का रूप ले ली है। जिला संचालक सचिन त्रिपाठी, भूपेश सिंह,विजय साहू,निर्मल भट्टाचार्य, राकेश शुक्ला और गौतम शर्मा ने बताया कि एक ओर शासन द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और पारदर्शी प्रशासन की बात की जा रही है, वहीं दूसरी ओर सूरजपुर जिले में युक्तियुक्तिकरण की प्रक्रिया को लेकर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं। साझा मंच जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती भारती वर्मा के अशिष्ट व्यवहार और भ्रष्टाचार की शिकायत लगातार करते आ रहा है। 02 अगस्त 2024 को जारी युक्तियुक्तकरण आदेश को लेकर साझा मंच के पदाधिकारियों ने गंभीर विसंगतियों और धांधली के आरोप लगाए हैं। 2008 में वित्त विभाग द्वारा स्वीकृत पदों के अनुरूप युक्तियुक्तकरण नहीं किया गया, जिससे शिक्षकों की नियुक्ति असंतुलित, अनुचित व पक्षपातपूर्ण हुई है। ज्ञापन में स्पष्ट कहा गया कि दोषी अधिकारियों पर कार्यवाही हो और युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया को तत्काल निरस्त किया जाए। इसके साथ ही शिक्षक श्रीमती सोना साहू को माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर द्वारा W.A. 261/2023 प्रकरण में 28 फरवरी 2024 को पारित निर्णय के अनुसार पूर्व सेवा की गणना कर क्रमोन्नत वेतनमान व एरियर्स का भुगतान किया गया । साझा मंच ने मांग की है कि यह लाभ प्रदेश के सभी पात्र शिक्षकों को दिया जाए और शासन जनरल आर्डर जारी करे। शिक्षकों ने यह भी जोर देकर कहा कि एल.बी. संवर्ग को प्रथम नियुक्ति तिथि से पूर्व सेवा की गणना कर पेंशन, ग्रेच्युटी व सेवानिवृत्ति लाभ दिए जाएं। वर्तमान स्थिति में पूर्व सेवा को नजर अंदाज करना संविधान और न्यायालय दोनों का उल्लंघन है। एल.बी. संवर्ग के शिक्षक वर्षों से डी.एड. योग्यता के साथ कार्यरत हैं,परंतु पदोन्नति में बीएड की शर्त से बड़ी संख्या में शिक्षक वंचित हो रहे है। पूर्व में डीएड के आधार पर भी व्याख्याता व प्राचार्य बने हैं, अब नया भेदभाव क्यों ? यह सवाल शिक्षक संगठनों ने उठाया है । साथ ही, प्राचार्य के सीधी भर्ती के 10% पदों को विभागीय परीक्षा से भरने की मांग भी की गई। साझा मंच ने कहा कि यदि शासन इन मांगों पर त्वरित निर्णय नहीं लेता, तो शिक्षकों को विरोध प्रदर्शन व आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा। शिक्षक साझा मंच ने आशा जताई है कि शासन इस विषय को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई करेगा और भविष्य में इस

प्रकार की परिस्थितियों से बचने के लिए सुस्पष्ट,पारदर्शी और न्यायसंगत व्यवस्था लागू की जाएगी। इस अवसर पर अवसर पर जिला संचालक सचिन त्रिपाठी, भूपेश सिंह,विजय साहू,निर्मल भट्टाचार्य,राकेश शुक्ल,गौतम शर्मा,राहुल ठाकुर,संजय चौबे,संजय मिश्रा,अंकित कोसरिया, गौरीशंकर पाण्डेय,मिथलेश पाठक,कमल किशोर पाण्डेय,राजेन्द्र जायसवाल,पुष्पेन्द्र चौबे,रोशन साहू,श्रीमती सीमा कुशवाहा, श्रीमती ललमेन टोप्पो,सहित सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे।

6 किलो गांजे के साथ एक आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

अम्बिकापुर,01 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

मणिपुर पुलिस ने रविवार को गांजे के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अरोपी के कब्जे से 6 किलो 600 ग्राम गांजा जब्त किया है। जिसकी कीमत 1 लाख 65 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार मणिपुर थाना प्रभारी अश्वनी सिंह को रविवार को मुखबिर से जानकारी मिली की एक व्यक्ति बैग में अवैध मादक पदार्थ गांजा रखकर ट्रांसपोर्टनगर रिंग रोड के पास बिक्री करने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहा है। मुखबिर की सूचना पर थाना प्रभारी टीम के साथ मौके पर पहुंचकर संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लेकर बैग की तलाशी ली। बैग में 6 किलो 600 ग्राम गांजा पाया गया। जिसे पुलिस ने जब्त किया है। जब्त गांजे की कीमत 1 लाख 65 हजार रुपए बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने आरोपी अवधेश शाह पिता राम रतन शाह उम्र 24 वर्ष निवासी सितुल खुर्द थाना माड़ा थाना माड़ा जिला सिंगरौली मध्यप्रदेश को गिरफ्तार किया है। आरोपी पत्थलगांव से गांजा खरीदकर लाना बताया और उसे बिक्री करने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

मैनपाट के मेहता प्वाइंट में खाई में गिरी कार,4 घायल

अम्बिकापुर,01 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

बारिश के सीजन में मैनपाट का मौसम पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। लोग दूर-दूर से यहां परिवार व दोस्तों के साथ घूमने आते हैं। बताया जा रहा है कि अंबिकापुर से 4 लोग कार में सवार होकर मंगलवार की दोपहर मैनपाट पहुंचे थे। वे मेहता प्वाइंट के पास से गुजर ही रहे थे कि उनकी कार अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। कार सड़क से नीचे गिरते समय पेड़ पर टिक गई थी, इसके बाद पेड़ की शाखाएं भी टूट गईं और कार करीब 30 फीट नीचे जा गिरी। हादसे में कार में सवार चारों व्यक्ति घायल हो गए। खाई में कार गिरते ही उसमें सवार लोग चीखने-चिल्लाने लगे। वहां से गुजर रहे लोगों ने उनकी चीख सुनी तो वहां पहुंचे। फिर काफी मशक्कत के बाद घायलों को निकालकर नर्मदापुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल घायलों के नाम का पता नहीं चल सका है।

7 से 9 जुलाई तक मैनपाट में आयोजित होगा मंत्री, सांसद एवं विधायकों का प्रशिक्षण शिविर

■ **जिला प्रभारी मंत्री श्री ओपी चौधरी ने कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण**

■ **प्रभारी मंत्री ने सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य तैयारियों के संबंध में दिए आवश्यक दिशा-निर्देश**

अम्बिकापुर,01 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

जिले में आयोजित होने वाले तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम को लेकर आज वित्त एवं जिला प्रभारी मंत्री श्री ओपी चौधरी ने मैनपाट के कर्मा रिसोर्ट में प्रशानिक अधिकारियों की बैठकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया,इस दौरान सीतापुर विधायक श्री रामकुमार टोप्पो,अम्बिकापुर विधायक श्री राजेश अग्रवाल,लूण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष श्री अनुराग सिंह देव,जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह,कलेक्टर श्री विलास भोसकर, पुलिस अधीक्षक श्री राजेश अग्रवाल, डीएफओ श्री अभिषेक जोगावत, जिला सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल,अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक,सर्व एसडीएम सहित प्रशासनिक अधिकारी एवं राजनैतिक दल के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। वित्त एवं जिले प्रभारी मंत्री श्री चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि 7, 8 और 9 जुलाई को तीन दिवसीय प्रशिक्षण सत्र आयोजित होने जा रहा है जिसमें मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, कैबिनेट मंत्री, सांसद, विधायक गण प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण स्थल कार्यक्रम की तैयारी, सड़कों की मरम्मत, चिकित्सा व्यवस्था,सुरक्षा व्यवस्था, ठहरने की व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था, हैलिपैड व्यवस्था,बिजली व्यवस्था,मजिस्ट्रेट ड्यूटी, पार्किंग व्यवस्था,पानी व्यवस्था,पास व्यवस्था, ट्रांसपोर्टिंग,डोम पंडाल,साफ-सफाई सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रभारी मंत्री श्री चौधरी ने कार्यक्रम स्थल का जायजा लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम स्थल पर तड़ित चालक (लाइटनिंग अरेस्टर) की अनिवार्य व्यवस्था की जाए। साथ ही सुरक्षा को लेकर पर्याप्त पुलिस बल एवं मजिस्ट्रियल ड्यूटी तैनात करने के निर्देश दिए।

बाढ़ में बहे युवक की मौत, छत्तीसगढ़ में हो रही तेज बारिश

बलरामपुर,01 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर में बाढ़ की चपेट में आने के दो हादसे सामने आए हैं। पहली घटना गेउर नदी की है जहां नदी को पार करते वक्त बह जाने से युवक की मौत हो गई। युवक मछली मारने गया था। वहीं दूसरी घटना गागर नदी की है जहां नदी में अचानक बाढ़ आने से तीन पहाड़ी कोरवा बच्चे घंटों तक फंसे रहे। ग्रामीणों की मदद से उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला गया। वहीं बचवार मार्ग पर जर्जर पुलिया ढह गई। हादसा तब हुआ जब लोड पिकअप वहां से गुजर रही थी। घटना के बाद से बचवार पटना मार्ग पर आवागमन ठप हो गया है। बता दें कि सरगुजा संभाग में लगातार बारिश के बाद से नदी-नाले उफान पर हैं। जारगिम निवासी में मणिशंकर पैकरा (45 वर्ष) सोमवार को अपने अन्य साथियों के साथ गेउर नदी पार कर मछली पकड़ने के लिए गया हुआ था। दोपहर करीब तीन बजे ग्रामीण वापस जारगिम आने के लिए निकले,तब तक नदी में बाढ़ आ चुकी थी। उफनती नदी को पार करने के दौरान मणिशंकर पैकरा बह गया। शाम को उसकी लाश नदी किनारे मिली है।

भूजल संरक्षण की दिशा में सरगुजा जिला प्रशासन की नई पहल

बोरवेल सैंड रिचार्ज फिल्टर से होगा वर्षा जल का संचयन

अम्बिकापुर,01 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले में जल संरक्षण और भूजल स्तर बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा बोरवेल सैंड रिचार्ज फिल्टर योजना की शुरुआत की गई है। इस नवाचार के माध्यम से वर्षा जल को बर्बाद होने से बचाकर सीधे भूजल भंडारण में पहुँचाया जाएगा। कलेक्टर श्री विलास भोसकर के नेतृत्व एवं जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में सभी शासकीय भवनों, स्कूलों, पंचायत परिसरों और सार्वजनिक स्थलों में ड्राई बोरवेल में बोरवेल सैंड रिचार्ज फिल्टर लगाए जा रहे हैं। यह विशेष फिल्टर रेत, चारकोल और गिट्टी की परतों से बना होता है, जो बारिश के पानी को शुद्ध कर भूमिगत जलस्रोतों में पहुँचाता है। इससे न केवल जलस्रोतों का पुनर्भरण होगा, बल्कि बोरवेल की आयु और क्षमता भी बढ़ेगी। जिले में बारिश के पानी का अधिकतम उपयोग कर जल संकट को दूर करने में यह तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने इस पहल का स्वागत किया है और इसे जिले में जल संवर्धन की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। वर्षा जल संचयन और भूजल स्तर को सुधारने के लिए सभी विभागों और आमजन की सक्रिय भागीदारी से वर्षा जल का हर बूंद संरक्षित कर भू-जल स्तर बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

CMYK

जशपुर के प्रभारी तहसीलदार रहे कमलेश कुमार मिरी को 3 साल की सश्रम कारावास की सजा

50 हजार रुपए का लगाया गया जुर्माना

जशपुरनगर,01 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

जशपुर के विशेष न्यायाधीश सत्येन्द्र कुमार साहू की अदालत ने,भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम,1988 की धारा 07 के तहत दोषी करार देते हुए, कोरोना काल में जशपुर तहसीलदार के प्रभार में रहे,कमलेश कुमार मिरी को 3 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 50000, पचास हजार रुपए का जुर्माना सुनाया है। यह निर्णय 30 जून 2025 को आया, जो जिले में पहली बार किसी वरिष्ठ राजस्व अधिकारी को भ्रष्टाचार मामले में सश्रम सजा दिए जाने के रूप में दर्ज हुआ है।

भूमि के नामांतरण के लिए मांगी थी 3 लाख रुपए की रिश्वत : वर्ष 2020 में नायब

तहसीलदार कमलेश कुमार मिरी,जो उस समय जशपुरनगर तहसील कार्यालय में प्रभारी तहसीलदार के रूप में पदस्थ थे ने,मामले के शिकायतकर्ता अनोज कुमार गुप्ता से ग्राम बालाछापर में खरीदी गई भूमि के नामांतरण, प्रमाणीकरण और ऋण पुस्तिका में हस्ताक्षर के लिए 3 लाख रुपए की रिश्वत की मांग की थी। प्रार्थी अनोज गुप्ता द्वारा जमीन की रजिस्ट्री पूरी होने के बाद जब नामांतरण की प्रक्रिया के लिए तहसील कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया, तो अधिकारी ने सरकारी कर्तव्य निभाने के बदले में निजी लाभ की मांग की। शिकायतकर्ता ने काफी विचार करने के बाद उक्त रिश्वत मांगने की सूचना, एंटी करप्शन ब्यूरो अंबिकापुर को दी थी।

एसीबी ने कमलेश कुमार मिरी को रंगे हाथों किया था गिरफ्तार

एसीबी अंबिकापुर की टीम ने प्रारंभिक जांच में शिकायत को सत्य पाए जाने पर एक सूक्ष्म योजना बनाई। योजना के तहत प्रार्थी अनोज गुप्ता को 50,000 रुपए की पहली किस्त के साथ 19 अगस्त 2020 को तहसीलदार के पास भेजा गया। जैसे ही नायब तहसीलदार कमलेश मिरी ने यह रकम अपने हाथों में लिया, एसीबी की टीम ने तहसील कार्यालय में छापा मारकर उन्हें रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। तुरंत उन्हें गिरफ्तार कर विशेष न्यायालय में पेश किया गया और विशेष प्रकरण क्रमांक 02/2021 के अंतर्गत विधिवत न्यायिक प्रक्रिया प्रारंभ हुई। मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, जशपुर सत्येन्द्र कुमार साहू की अदालत में हुई। मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से लोक अभियोजक सीपी सिंह ने मजबूत साक्ष्य और गवाह प्रस्तुत किए,जिनमें रिश्वत की रकम की बरामदगी,प्राथमिक शिकायत, एसीबी की कार्यवाही रिपोर्ट एवं रासायनिक परीक्षण रिपोर्ट शामिल थीं। आखिरकार 30 जून को न्यायालय ने इस मामले में सुनवाई करते हुए आरोपी कमलेश मिरी को दोषी मानते हुए 3 वर्ष की सश्रम कारावास और 50,000 रुपए के आर्थिक दंड से दंडित किया।

तुर्किये में पैगंबर मोहम्मद के कथित कार्टून पर विवाद

मिसाइलों की बारिश के बीच मूसा से हाथ मिलाते दिखे,कार्टूनिस्ट समेत 4 गिरफ्तार

अंकारा। तुर्किये में पैगंबर मोहम्मद का कार्टून छपने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। न्यूज एजेंसी मुताबिक, लेमैन मैगजीन ने 26 जून को एक कार्टून पब्लिश किया था, जिसमें पैगंबर मोहम्मद और पैगंबर मूसा जैसे दिखने वाले दो शख्स को आसमान से गिरती मिसाइलों के बीच हवा में हाथ मिलाते हुए दिखाया गया था। इस कार्टून के सामने आने के बाद पूरे तुर्किये में लोगों का गुस्सा भड़क गया। गुस्साए लोगों ने इस्तांबुल में लेमैन मैगजीन के ऑफिस के बाहर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। वे 'दांत के बदले दांत, खून के बदला खून' के नारे लगा रहे थे। कुछ प्रदर्शनकारियों ने, जो एक इस्लामिक संगठन से जुड़े बताए जा रहे हैं, पत्रिका के दफ्तर पर पत्थरबाजी भी की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने कार्टून बनाने वाले कार्टूनिस्ट डोगन पहलवान को गिरफ्तार कर लिया है। इसके अलावा लेमैन के चीफ एडिटर, मैनेजिंग एडिटर और ग्राफिक डिजाइनर की भी गिरफ्तारी हुई है।

सरकार बोली...यह फ्रीडम ऑफ स्पीच नहीं

घटना के बाद तुर्किये के गृहमंत्री अली येरलिकाया ने बयान जारी कर कहा कि यह प्रेस की आजादी या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं है, बल्कि धार्मिक भावनाओं का अपमान है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। तुर्किये के न्याय मंत्री यिलमाज टुंक ने कहा कि इस तरह के कार्टून धार्मिक भावनाओं और सामाजिक सौहार्द का अपमान करते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि कोई भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का बहाना बनाकर किसी धर्म के प्रतीकों का अपमान नहीं कर सकता। गृह मंत्री येरलिकाया ने कहा कि वे पैगंबर साहब का मजाक उड़ाने वाले इस शर्मनाक कार्टून की निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की हरकतें हमारे धार्मिक भावनाओं का अपमान करती हैं। मुसलमानों के दिल को ठेस पहुंचाती हैं। ये काम लोगों को भड़काने वाले हैं और जो ऐसा करने की कोशिश करेंगे, उन्हें कानून के सामने जवाब देना होगा। उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया जिसमें कार्टूनिस्ट को हथकड़ी लगाकर सीढ़ियों पर ले जाया जा रहा है।

लेमैन मैगजीन ने सोशल मीडिया पर माफी मांगी

तुर्किये में धर्मनिरपेक्ष कानून लागू है, लेकिन वहां पर किसी के धार्मिक मूल्यों का सार्वजनिक रूप से अपमान करने पर एक साल तक की जेल हो सकती है। हालांकि, विवाद बढ़ने पर लेमैन मैगजीन ने सोशल मीडिया पर माफी जारी की और कहा कि कार्टून का मकसद इस्लाम का अपमान करना नहीं था। पत्रिका लेमैन के एडिटर टुनके अकगुन ने कहा कि जिस कार्टून को लेकर विवाद हुआ है, उसे गलत तरीके से समझा गया है। उन्होंने साफ किया कि यह कार्टून पैगंबर मोहम्मद का कैरिकेचर नहीं है, बल्कि इसमें इजराइल की बमबारी में मारे गए एक मुस्लिम व्यक्ति को दिखाया गया है।

बलूचिस्तान में फिर विद्रोहियों का तांडव, बैंक शाखाओं समेत कई इमारतों को फूंका हमले में बच्चे की मौत

एपी,क्वेटा। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में मंगलवार को बंदूकें और रॉकेट के साथ दर्जनों विद्रोहियों ने एक थाने पर धावा बोला और बैंकों की दो शाखाओं को फूंक दिया। इस घटना में एक बच्चे की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। हालांकि इसकी अभी तक किसी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) पर संदेह जताया जा रहा है। इधर, खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के लक्की मारवात जिले में अज्ञात बंदूकधारियों के हमले में दो ट्रैफिक पुलिसकर्मी मारे गए। अधिकारियों के अनुसार, बलूचिस्तान के मास्टंग जिले में विद्रोहियों ने हमला किया और नागरिकों पर गोलियां बरसाईं।

स्थानीय सरकारी अधिकारी जान मोहम्मद ने दावा किया कि सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में कुछ विद्रोही भी मारे गए। जबकि प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने कहा कि हमलावरों को पकड़ने के लिए अभियान शुरू किया गया है। हमले में प्रतिबंधित संगठन बीएलए का हाथ होने का संदेह जताया जा रहा है।

मंत्रिपरिषद का बड़ा निर्णय,नक्सली हिंसा में शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों को अब अन्य विभागों में भी अनुकम्पा नियुक्ति का विकल्प

- शहीदों के परिजनों को मिलेगा विभाग चुनने का विकल्प
- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी का आभार : उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

बलरामपुर,01 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

राज्य शासन द्वारा नक्सली हिंसा में शहीद हुए पुलिस सेवकों के परिजनों के हित में एक महत्वपूर्ण और मानवीय निर्णय लिया गया है। विगत दिनों मंत्रिपरिषद ने ''एकजाई पुनरीक्षित अनुकम्पा नियुक्ति निर्देश-2013'' की कंडिका 13(3) में संशोधन को मंजूरी दी है। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि शहीद हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर प्रदेश और देश की रक्षा की है। उनके परिजनों को केवल विकल्पहीन नियुक्ति देना न्यायसंगत नहीं था। लंबे समय से शहीद परिवारों की इस मांग को हमने सरकार के समक्ष पूरी गंभीरता से रखा। मुझे प्रसन्नता है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद ने इस निर्णय को पारित किया है। अब शहीदों के परिजनों को विभाग चुनने का अधिकार मिलेगा, जिससे उनकी सुविधा और सम्मान दोनों सुनिश्चित होंगे। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि इस संशोधन के अनुसार,अब नक्सली हिंसा में शहीद हुए पुलिस सेवकों के परिजनों को अनुकम्पा नियुक्ति केवल पुलिस विभाग तक सीमित नहीं रहेगी,बल्कि वे राज्य शासन के किसी भी विभाग में, किसी भी जिला अथवा संभाग में अनुकम्पा नियुक्ति प्राप्त कर सकेंगे। पूर्व में यह प्रावधान था कि अनुकम्पा नियुक्ति उसी विभाग में दी जाए, जिसमें दिवंगत शासकीय सेवक सेवारत था। परंतु शहीदों के परिजनों की लगातार मांग को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने इस नीति में संशोधन कर यह विकल्प प्रदान किया है। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा की पहल पर इस निर्णय को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के समक्ष मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रस्तुत किया गया। उल्लेखनीय है कि उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा को लगातार शहीद परिवारों और उनके संगठनों से यह मांग प्राप्त हो रही थी कि उन्हें अनिवार्य रूप से पुलिस विभाग में नियुक्ति न देकर, अन्य विभागों में भी विकल्प मिलना चाहिए। उप मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता और सक्रियता से यह विषय मंत्रिपरिषद में लाया गया और सर्वसम्मति से निर्णय पारित हुआ। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा राज्य के शहीद परिवार ने पुलिस विभाग में अनुकम्पा नियुक्ति के साथ अन्य विभागों

में नियुक्ति की मांग की थी। अब उनके लिए यह रास्ता खुल गया है, जिससे उन्हें सम्मानजनक और सुविधाजनक रोजगार का अवसर प्राप्त होगा। यह निर्णय न केवल शहीदों के बलिदान को सम्मान देने का कार्य है, बल्कि उनके परिवारों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व का भी प्रमाण है।

न्यायाधीश आलोक पांडेय ने किया प्ले स्कूल का शुभारंभ

राजपुर (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के राजपुर में संचालित राजीव गांधी आदर्श विद्यालय के रजत जयंती पर स्कूल परिसर में प्ले स्कूल का शुभारंभ राजपुर व्यव्हार न्यायालय के न्यायाधीश आलोक पांडेय ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीपप्रज्वलित, माल्यार्पण, फीता काटकर किया। वही अतिथियों को फूल माला, बैच लगाकर स्वागत किया। न्यायाधीश आलोक पांडेय ने कहा कि बहुत खुशी की बात है कि राजीव गांधी आदर्श विद्यालय से छात्र-छात्राएं पढ़ाई कर आज डॉक्टर सहित अधिकारी-कर्मचारी बने हैं। वही छात्र-छात्राओं को कहा नेता, अधिकारी से बढ़कर आप अपने शिक्षकों को गुरु माने इसके बाद माता-पिता को शिक्षकों के ज्ञान से आगे बढ़ेंगे। कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र तिवारी ने कहा कि राजीव गांधी आदर्श विद्यालय से छात्र-छात्राएं पढ़ कर अधिकारी बने है। स्कूल के प्राचार्य, शिक्षकों, छात्र-छात्राएं को शुभकामनाएं दी। कांग्रेस जिला प्रवक्ता व ब्लॉक अध्यक्ष सुनील सिंह ने कहा बहुत खुशी की बात है कि राजीव गांधी आदर्श विद्यालय से छात्र-छात्राएं पढ़ाई कर चिकित्सक सहित अधिकारी-कर्मचारी के पद पर बैठे हैं। कार्यक्रम का संचालक संस्था के प्राचार्य जितेंद्र गुप्ता ने किया। इस दौरान वरिष्ट कांग्रेसी संतोष सिंह, छ.ग. श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष अनिल सोनी, पार्षद विश्वास कुमार गुप्ता, शिक्षक, शिक्षिकाएं,अभिभावक, छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

लटोरी व खड़गवाँ क्षेत्र में अवैध खनिज परिवहन पर कार्रवाई, 9 वाहन जब्त

सूरजपुर, 30 जून 2025 (घटती-घटना)।

आज कलेक्टर श्री एस जयवर्धन के निर्देशानुसार राजस्व, खनिज एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा लटोरी एवं खड़गवाँ क्षेत्रों में अवैध खनिज परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध सघन जांच अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान कुल 9 वाहनों को जब्त किया गया। जब्त किए गए वाहनों में 6 वाहन रेत परिवहन में, 2 हाइवा गिट्टी परिवहन में तथा 1 वाहन अवैध रूप से मिट्टी एवं ईंट परिवहन में संलिप्त पाया गया। सभी वाहन मालिकों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

थाइलैंड में कोर्ट ने पीएम को पद से हटाया

कंबोडिया के नेता से बात करते हुए आर्मी चीफ की आलोचना की थी; अब डिप्टी पीएम पद संभालेंगे

बैंकॉक । थाईलैंड के संवैधानिक न्यायालय ने पीएम पाइतोंग्तार्न शिनावात्रा को उनके पद से सस्पेंड कर दिया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने कंबोडिया के नेता हुन सेन से फोन पर बातचीत की थी। इस बातचीत में उन्होंने थाई सेना के कमांडर की आलोचना की थी। इसे थाईलैंड में गंभीर मामला माना जाता है क्योंकि सेना का वहां काफी प्रभाव है। इस बातचीत के लीक होने के बाद देशभर में गुस्सा फैल गया था। कोर्ट ने 7-2 के अंतर से पीएम को पद से हटाया। कोर्ट ने कहा कि उनके खिलाफ शिकायत की जांच की जाएगी। अगर वह दोषी पाई गईं तो उन्हें हमेशा के लिए पद से हटाया जा सकता है। पीएम ने खिलाफ नैतिकता के उल्लंघन का मामला स्वीकार कर लिया है और अब जांच पूरी होने तक वह प्रधानमंत्री के पद पर काम नहीं कर सकेंगी। जब तक इस मामले पर अंतिम फैसला नहीं होता, तब तक डिप्टी पीएम फुमथम वेचायाचाई सरकार चलाएंगे।

सहयोगी पार्टी ने साथ छोड़ा, अब सरकार पर संकट

इस कॉल के लीक होने से सरकार पर भारी दबाव बना हुआ है। एक बड़ी पार्टी गठबंधन छोड़ चुकी है, जिससे गठबंधन बहुमत कमजोर हो गया है। पाइतोंग्तार्न ने माफी मांगते हुए कहा है कि उनकी टिप्पणी सिर्फ विवाद सुलझाने के लिए थी। पाइतोंग्तार्न ने कहा है कि वह कोर्ट की प्रक्रिया का सम्मान करेंगी और उसे मानेंगी, लेकिन उन्होंने यह भी माना कि वह चिंतित हैं। इस बीच पाइतोंग्तार्न के खिलाफ भ्रष्टाचार आयोग भी जांच कर रहा है, जिससे उन पर पद से हटाए जाने का खतरा और बढ़ गया है। वहीं, थाई राजा ने उनके मंत्रिमंडल में बदलाव को मंजूरी दी है। नए फेरबदल में कुछ पुराने मंत्रियों को हटाकर नए लोगों को शामिल किया गया है।

ट्रम्प बोले-सब्सिडी बंद की तो मस्क को अफ्रीका लौटना पड़ेगा

दुकान बंद हो जाएगी, फिर न कार बनेगी,न सैटेलाइट लॉन्च होंगे...

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को टेस्ला के सीईओ इलॉन मस्क पर तंज कसा। उन्होंने कहा- अगर मस्क को मिलने वाली सब्सिडी बंद हो जाए, तो उनको अपनी दुकान (कंपनी) बंद करके दक्षिण अफ्रीका लौटना पड़ेगा। ट्रम्प के कहा कि सब्सिडी बंद होने से न तो टेस्ला इलेक्ट्रिक कार का प्रोडक्शन कर पाएगी, न ही स्पेसएक्स के रॉकेट, सैटेलाइट लॉन्च होंगे। ट्रम्प ने दावा किया कि मस्क को सरकारी सब्सिडी के तौर पर इतना पैसा मिला है, जितना शायद किसी और को नहीं मिला। उन्होंने सुझाव दिया कि DoGE इस मामले की डिटेल जांच करे। इससे देश का पैसा बचेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा- मस्क को राष्ट्रपति पद के लिए मेरा समर्थन करने से बहुत पहले ही पता था कि मैं EV मैंडेट के खिलाफ हूं। इलेक्ट्रिक गाड़ियां अच्छी हैं,लेकिन हर इंसान को इन्हें खरीदने के लिए मजबूर करना गलत है। इलॉन मस्क ने ट्रम्प के बिग ब्यूटीफुल बिल की एक बार फिर से आलोचना की थी। मस्क ने शनिवार को एक्स पर लिखा था- ट्रम्प का यह बिल अमेरिका में लाखों नौकरियां खत्म कर देगा और हमारे देश को बहुत बड़ा रणनीतिक नुकसान पहुंचाएगा। मस्क ने कहा, यह पूरी तरह पागलपन से भरा और विनाशकारी है।

जिले में लगातार दो दिनों से हो रही भारी वर्षा के चलते जनजीवन हुआ अस्त-व्यस्त मां बेटा उफनती नदी में बहे

- महिला और उसका दो वर्षीय पुत्र तेज बहाव में नाले में बह गए, दोनों की मौत हो गई
- सभी नदी-नाले उफान पर, आवागमन हुआ बाधित

बलरामपुर,01 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

जिले के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र में उफनते नाले को पार कर रहे मां-बेटे बह गए। दोनों का शव मंगलवार को बरामद हुआ है। आमगांव निवासी विशुन कोरवा की पत्नी रजनी पहाड़ी कोरवा (20) अपने 2 वर्षीय बेटे आनंद के साथ मायके रकैया गांव गई थी। बताया जा रहा है कि वहां से शाम करीब 6 से 7 बजे के बीच वह बेटे को लेकर पैदल ही लौट रही थी। दोनों गांव के बीच स्थित बढ़नी झरिया नाले में कमर तक पानी भरा था। बेटे को गोद में लेकर रजनी कोरवा नाला पार कर रही थी, तभी दोनों नाले के तेज बहाव में बह गए। ग्रामीणों ने मां-बेटे का शव घटनास्थल से करीब एक किलोमीटर दूर खेत में पड़ा देखा। सूचना शंकरगढ़ पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पंचनामा के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

अंग्रेजी शराब के साथ महिला गिरफ्तार

अम्बिकापुर,01 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

दरिमा पुलिस ने अंग्रेजी शराब के साथ महिला को गिरफ्तार किया है। महिला अपने घर में रखकर अवैध करोबार कर रही थी। पुलिस ने महिला के खिलाफ कार्रवाई की है। 30 जून को पेट्रोलिंग पर निकली दरिमा पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिली की ग्राम जमगवां निवासी महिला अपने घर में अंग्रजी शराब रखकर बिक्री कर रही है। पेट्रोलिंग टीम ने उसके घर छापेमारी कर 3.420 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त किया है। मामले में पुलिस ने महिला के खिलाफ कार्रवाई की है।

प्रेमनगर में धूमधाम से मना शाला प्रवेश उत्सव, शामिल हुए भूलन सिंह मरावी

सरकार के विभिन्न योजनाओं का छात्रों को मिल रहा लाभ : मरावी

सूरजपुर/ प्रेमनगर,01 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 राज्य में प्रभावित हो गई है। छत्तीसगढ़ शासन की स्पष्ट मंशा है की छात्र छात्राओं को स्वच्छ सुंदर वातावरण में गुणवत्ता युक्त शिक्षा दी जावे। इस वर्ष भी शाला प्रवेश उत्सव 16 जून से प्रारम्भ हो गया है जिसके तहत प्रेमनगर में विकास खंड शिक्षा परिवार की ओर से विकास खंड स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यातिथि के आसंदी में विराजमान क्षेत्र के यशस्वी माननीय विधायक भूलन सिंह मरावी जी,विशिष्ट अतिथि पुनिया राजवाड़े जनपद पंचायत उपाध्यक्ष प्रेमनगर, बद्रीविशाल राजवाड़े सांसद प्रतिनिधि,वीरेन्द्र जायसवाल प्रदेश कार्य समिति सदस्य पिछड़ा वर्ग मोर्चा, जगमोहन सिंह पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रेमनगर, सुमंत साहू पूर्व मंडल महामंत्री रामानुजनगर, पूर्णा जायसवाल प्रदेश कार्य समिति महिला मोर्चा, मिथिला बंजारा मंडल, कंचन श्याम महिला मोर्चा अध्यक्ष, शिवनंदन सिंह भाजपा पदाधिकारी, किरण साहू पूर्व उपाध्यक्ष व जनपद सदस्य, शांति कुजूर जनपद सदस्य, चेतन राजवाड़े, आमीन बाई जनपद सदस्य, महेंद्र कुमार यादव महामंत्री मंडल प्रेमनगर, प्रदीप साहू, रामनारायण यादव पूर्व उपाध्यक्ष, सुमित दास,राजेश्वर राजवाड़े, परमानंद राजवाड़े व परमानंद यादव सहित अनेक जनप्रतिनिधि शामिल रहे। बता दें की शाला प्रवेश उत्सव नवप्रवेशी छात्र छात्राओं को विद्यालय के प्रति आकर्षण,रुझान,नए जोश,उमंग और उत्साह जगाने साथ ही गांव के अन्य बच्चों को स्कूल आने के लिए प्रोत्साहित करना।

कार्यालय नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

क्रमांक 936/न0पा0नि0/भ.नि.अ./2025 अम्बिकापुर, दिनांक 06/06/2025

द्वितीय सार्वजनिक सूचना

(छ0ग0 नगर पालिक निगम, तथा नगर पालिका (कॉलोनाईजर का रजिस्ट्रीकरण, निर्वधन तथा शर्तें) नियम 2013 नियम 15 (क)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम सुभाषनगर अम्बिकापुर स्थित भूखण्ड क्रमांक 223 का अवैध रूप से उप विभाजन कर विभिन्न व्यक्तियों को विक्रय किया गया है, जो छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम, अधिनियम 1956 की धारा 292 (ख) का उल्लघंन है। उक्त भूखण्ड क्रमांक 223 के भूमि का प्रबंधन छत्तीसगढ नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 292 (च) एवं छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम तथा नगर पालिका (कॉलोनाईजर का रजिस्ट्रीकरण, निर्बधन तथा शर्तें) नियम 2013 के नियम 15 (क) के अनुसार नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर द्वारा उक्त भूमि का प्रबंधन अधिग्रहिता करने की कार्यवाही की जा रही है। प्रकरण से संबंधित व्यक्ति अपनी आपत्ति सुसंगत दस्तावेज के साथ दिनांक 30/07/2025 के पूर्व नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर कार्यालय में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकते हैं।

आयुक्त
नगर पालिक निगम,
अम्बिकापुर

दिनांक : 30/06/2025

क्या वर्तमान सहित पूर्व जनप्रतिनिधियों में रुतबे के लिए है हूटर प्रेम...

रुतबे के लिए हूटर मामले में कानून की नेता उड़ा रहे धज्जियां?

आम आदमी को कानून का पाठ सिखाने वाली पुलिस दंड देनी वाली पुलिस नेताओं के मामले मौन क्यों?

क्या कोरिया जिले की पुलिस हुटरबाज नेताओं पर करेगी कार्यवाही,क्या नेताओं की गाड़ियों से उतरेगा हूटर,लगेगा जुर्माना?

त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों की गाड़ियों में हूटर लगाया जाना और बेवजह बजाया जाना आम,पुलिस कार्यवाही का भी नहीं खौफ?

पुलिस भी नेताओं के मामले में मौन,आम गरीब इंसान की छोटी सी भी यातायात गलती पर हजारों जुर्माना लगाने केवल तत्पर

क्या कोरिया जिले के उन नेताओं की गाड़ियों पर पुलिस करेगी चालानी कार्यवाही जिनमें लगा है अवैध रूप से हूटर?

हूटर लगाने का अधिकार केवल इमरजेंसी सेवाओ में एम्बुलेंस,फायरब्रिगेड,पुलिस को,अन्य को हूटर बेचने वाले दुकानों पर फिर क्यों नहीं होती कार्यवाही?

क्या नेता खुद उतारेंगे अपनी गाड़ियों से हूटर या पुलिस करेगी चालानी कार्यवाही या फिर हूटरों वाले वाहनों की संख्या और बढ़ेगी?

जिला पंचायत अध्यक्ष,जनपद अध्यक्ष,उपाध्यक्ष, जनपद सदस्य सभी की गाड़ियों में लगे हैं हूटर,पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल

पुलिस भी नेताओं के मामले में मौन,आम लोगों के लिए पुलिस नियम मामले में प्रतिबद्ध

पुलिस भी नेताओं को मामले में मौन धारण कर लेती है,आम लोगों को दिनभर जो यातायात पुलिस सुबह से लेकर शाम तक यातायात का पाठ पढ़ाती है कानून का पाठ पढ़ाती है,यातायात नियम तोड़ने पर अर्थ दंड से दंडित करती है वह पुलिस नेताओं के द्वारा कानून तोड़ने पर यातायात नियम तोड़ने पर मौन रहती है। पुलिस नेताओं और आम लोगों को लेकर अलग-अलग व्यवहार करती नजर आती है,आम लोगों के लिए यातायात का अलग नियम जहां दंड का आर्थिक वह प्रावधान करती है वही नेताओं के मामले में वह मौन हो जाती है। यदि पुलिस नियम कायदों के प्रति सजग है और कानून का राज स्थापित करना उसकी प्रतिबद्धता है तो उसे नेताओं के मामले में भी नियम तोड़ने पर कार्यवाही का प्रावधान करना चाहिए भले ही वह नेता कितना भी बड़ा क्यों न हो।

क्या नेताओं की गाड़ियों से निकाले जाएंगे हूटर,या नेताओं को गैर कानूनी तरीके से हूटर लगाने की रहेगी आजादी?

सवाल यह है कि क्या नेताओं की गाड़ियों में लगे हूटर हटाए जाएंगे, क्या उन्हें आर्थिक दंड की भरपाई करनी होगी या वह अब भी हूटर वाले मामले में आजाद होंगे और हूटर लगाकर चलेंगे और बजाएंगे भी? वैसे कोरिया पुलिस का खबर प्रकाशन उपरांत क्या निर्णय होता है क्या वह इस मामले में पूरी संज्ञानता दिखाते हुए गंभीरता दिखाते हुए हूटर हटवाने की कार्यवाही करती है या फिर मामले में मौन रह जाती है यह देखने वाली बात होगी। नेताओं की गाड़ियों से हूटर निकालने की क्या कार्यवाही खुद जाकर की जाती है उनकी गाड़ियों को लेकर चालानी कार्यवाही की जाती है या उन्हें सूचित कर हूटर निकलवाया जाता है यह भी देखने वाली बात होगी। वैसे इस मामले में आने वाले दिनों में यह पता चल सकेगा कि कोरिया पुलिस कानून मामले में कितना निष्पक्ष है और वह आम और नेताओं के लिए अलग अलग भाव नहीं रखती यह भी समझ में आएगा यदि हूटर मामले में कार्यवाही होती है।

समाज सेवा सेवा करना है या फिर क्षेत्र में भोकाल बनाना है?

नेताओं को जनता से सेवा के लिए अपने चुना है और नेता हैं कि अपना भौकाल बनाने में लगे हैं। निर्वाचित होते ही नई महंगी गाड़ी और उसके बाद उसमें सायरन हूटर लगाना एक परम्परा बन गई है। नेताओं की भौकाल देखकर जनता भी आश्चर्य में है कि पैदल चलकर वोट मांगने आने वाला बड़े बड़े वादे करके हर दुख समस्या का हरण करने की कसमें खाने वाला कुर्सी पाते ही खुद के शानो शौकत में ही लीन हो गया। गाड़ियों का शौक और हूटर सायरन की उसकी चाहत जनता से बड़ी हो गई और वह जनता से खुद को ऊपर मान बैठा।

-रवि सिंह-

कोरिया,1 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

क्या नेताओं ने खुद को कानून से ऊपर मान लिया है, क्या कानून की धज्जियां उड़ाना अपने रुतबे के लिए धज्जियां उड़ाना उनके लिए आम बात है और यह उनकी आदत बन चुकी है? यह सवाल इसलिए खड़ा हो रहा है क्योंकि आजकल कोरिया जिले के निर्वाचित वर्तमान जनप्रतिनिधि और पूर्व में निर्वाचित रह चुके जनप्रतिनिधि अपने रुतबे के लिए उसके प्रदर्शन के लिए कानून तोड़ते नजर आ रहे हैं और वह कानून से खुद को ऊपर मानने लगे हैं। कोरिया जिले में कानून से खुद को ऊपर मानने का जनप्रतिनिधियों का प्रदर्शन गाड़ियों के हूटर मामले में सामने नजर आ रहा है और लगातार देखने को मिल रहा है कि पूर्व में निर्वाचित रह चुके नेता हों या वर्तमान में निर्वाचित जनप्रतिनिधि सभी अपनी गाड़ियों में हूटर लगाकर चल रहे हैं और केवल वह लगाकर ही हूटर गाड़ियों में नहीं चल रहे हैं वह हूटर बजाकर अपने रुतबे का प्रदर्शन भी कर रहे हैं। हूटर लगाने का कानूनी रूप से अधिकार केवल पुलिस, एंबुलेंस और फायरब्रिगेड सेवाओं के लिए है, आम व्यक्ति या अन्य को गाड़ियों में हूटर लगाने की अनुमति नहीं है कानूनन और ऐसा करने पर दंड का भी आर्थिक प्रावधान है,लेकिन कोरिया जिले के नेताओं ने जैसे कानून तोड़ने की और खुद को कानून से ऊपर मानने की ठान ली है और वह हूटर लगाकर ही चल रहे हैं जिसे वह बजा भी रहे हैं।

वैसे नेताओं के मामले में कानून का राज स्थापित करने की जिम्मेदारी निभाने वाली जिले की पुलिस मौन है और उन्हें मनमानी करने की और उन्हें कानून की धज्जियां उड़ाने की आजादी दे रखी है पुलिस ने। जिले की जो पुलिस सुबह से शाम तक जिले के आम लोगों को कानून का पाठ पढ़ा रही है आम लोगों को यातायात का पाठ भी पढ़ा रही है लगातार यातायात मामले में आम लोगों पर चालानी कार्यवाही कर रही है वह नेताओं के मामले में मौन है और उन्हें कानून तोड़ने की छूट दे रही है। आज जिले के जिला पंचायत अध्यक्ष,उपाध्यक्ष,जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष,जनपद सदस्य, यहां तक कि पूर्व विधायक की गाड़ियों में हूटर नजर आ रहा है जो बजाया भी जा रहा है लगातार। क्या जिले की पुलिस आम लोगों को ही लेकर कानून का राज स्थापित कर लेगी या फिर उसे नेताओं को भी कानून का पाठ पढ़ाना होगा?

हूटर बेचने वालों पर आखिर क्यों नहीं होती कार्यवाही?

वैसे गाड़ियों में हूटर नेताओं के द्वारा दुकानों से लगवाया जाता है वह भी उन दुकानों से जिन्हें वाहनों के साज सज्जा के लिए जाना जाता है। दुकानों के संचालकों को भी मालूम है कि हूटर का उपयोग करना हर किसी के लिए जायज नहीं यह कानून तोड़ने का कारण बनने वाला विषय बन सकता है ऐसे में वह अपने दुकानों में हूटर क्यों रखते हैं क्यों नेताओं को बेचते हैं यह भी एक सवाल है। क्या इन दुकानदारों पर कार्यवाही होगी जो हूटर लाकर जिले के लोगों को उसके प्रति आकर्षित कर रहे हैं। पुलिस को भी दुकानों को निर्देशित करना चाहिए कि वह हूटर मामले में ध्यान दें कि केवल इसका उपयोग आवश्यक सेवाओं के लिए हो रुतबा बघारने के लिए नहीं।

सायरन बजाकर रोड पर नियम विरुद्ध क्या जनप्रतिनिधियों को गाड़ी दौड़ना शोभा देता है...

सायरन का उपयोग वैसे तो अनिवार्य सेवाओं और मामले में किए जाने का नियम है और इसके अंतर्गत पुलिस,फायरब्रिगेड,एंबुलेंस शामिल हैं जिन्हें इसकी आजादी है क्योंकि यह सेवाएं अनिवार्य हैं और कई बार इन सेवाओं में सायरन का उपयोग इसलिए आवश्यक हो जाता है क्योंकि सायरन से आम लोग समझ सकें कि इन सेवाओं से जुड़े वाहन रास्ते से गुजर रहे हैं और उन्हें रास्ता देना खाली करना रास्ता आवश्यक है जिससे किसी की या अनगिनत जान बच सके या कहीं की कानून व्यवस्था की बिगड़ी स्थिति तत्काल स्थिर की जा सके। नेताओं का अपने गाड़ियों में हूटर लगाना सायरन बजाना अनिवार्य सेवा मामले से जोड़ना अनुचित है, नेताओं की गाड़ियों में हूटर इसलिए भी सही नहीं माना जाता क्योंकि वह जनता के लिए जनता द्वारा चुने लोग हैं और उनके बीच खास बनकर जाना या उन्हें रास्ता खाली करने मजबूर करना सर्वथा अनुचित माना जाएगा। नेताओं को तो आम लोगों के लिए रास्ता खाली करवाने और उन्हें सुविधा दिलाने जिम्मेदारी मिली हुई है वही यदि सायरन बजाते लोगों को रास्ते से किनारे करते निकल जायेंगे फिर आम लोगों की सुनवाई कौन करेगा।

पूर्व कांग्रेस विधायक की गाड़ी का हूटर भी अभी तक नहीं उतरा

बैकुंठपुर की पूर्व विधायक के गाड़ी का भी हूटर गाड़ी में लगा नजर आता है। पद गया चुनाव हार गईं लेकिन लोगों के बीच खास बनने और अपना रुतबा दिखाने का उनका शौक खत्म होता नजर नहीं आता। जनता ने पहले अर्श पर पहुंचाया तब भी हूटर नजर आया गाड़ी में और अब जब जनता ने फर्श पर ला पटका तब भी हूटर गाड़ी का नहीं उतरा,कुल मिलाकर सत्तापक्ष विपक्ष सभी दलों में हूटर प्रेमी नेताओं की भरमार है जो आम लोगों के बीच उनसे समर्थन प्राप्त कर उनकी सेवा के नाम पर निर्वाचित होते हैं और जैसे ही निर्वाचित हुए वह खुद को खास बना लेते हैं और आम लोगों को रास्ते से हटाने वह हूटर लगाकर गाड़ी में चलने लगते हैं।

क्या आज के समय के नेताओं में कानून पालन करने की जिम्मेदारी का आभाव है,नियम तोड़ना ही नेता की पहचान है?

वैसे नेताओं का आजकल व्यवहार और उनकी कार्यप्रणाली ऐसी नजर आती है जिसमें कानून पालन करने वाली जिम्मेदारी का आभाव नजर आता है,नियम तोड़ना कानून के विरुद्ध कार्य करना आदत सी नेताओं की बनती जा रही है वहीं नेताओं के मामले में कानून पालन के लिए लोगों को सजग करने वाली पुलिस भी मौन हो जाती है, कुल मिलाकर नेताओं के मामले में ऐसे उदाहरण सामने आ रहे हैं कि वह कानून को लेकर निडर हो चुके हैं और वह लगातार नियम तोड़ते नजर आते हैं। हूटर सायरन का मामला भी ऐसा ही है।

पूर्व विधायक की गाड़ी का नेमप्लेट भी अजीब, पूर्व शब्द इतना छोटा की जल्द नजर न आए...

पूर्व विधायक बैकुंठपुर की गाड़ी में हूटर तो लगा ही है वहीं उनकी गाड़ी का नेमप्लेट भी चर्चा का विषय बना हुआ है,नेमप्लेट में विधायक शब्द बड़े अक्षरों में लिखा हुआ है वहीं पूर्व शब्द का आकार इतना छोटा है कि वह जल्द नजर नहीं आता, पद जाने के बाद भी पदमोह का यह उदाहरण पूर्व विधायक की पद लालसा साबित करता नजर आता है।

गाड़ियों में हूटर नेताओं के लिए रुतबे का सवाल

नेताओं की गाड़ियों में हूटर इसलिए लगाया जाता है उनके द्वारा क्योंकि वह इसे अपने रुतबे से जोड़कर देखते हैं। निर्वाचित होने के उपरांत अपना रुतबा जगह जगह आम लोगों के बीच जताने के लिए नेता अपने गाड़ियों को आम लोगों की गाड़ियों से अलग दिखाने की चाहत रखते हैं और वह हूटर लगाकर चलने को रुतबेदार काम मानते हैं। खैर जनता ने इन नेताओं को अपने हक अधिकार को आसानी से सुलभ उपलब्धता कराने के लिए निर्वाचित किया हैं वहीं यह नेता उन्हीं जिन्होंने इन्हें निर्वाचित किया है उस जनता के सामने अपना रुतबा बघारने हूटर लगाकर चलते हैं और खुद को बेहद खास साबित करने का प्रयास करते हैं। नेताओं का हूटर जनता को दिखाने जताने के लिए केवल होता है जो समझ में आता है क्योंकि इसका उपयोग दिखावे के अलावा कुछ भी नहीं।

सेवानिवृत्ति एक स्वभाविक प्रक्रिया, नई ऊर्जा के साथ एक नई शुरूवात करें:डीआईजी/एसएसपी

जिले में पदस्थ एएसआई चन्द्रिका प्रसाद व एएसआई राजाराम हुए सेवानिवृत्त

-संवाददाता-

सूरजपुर,1 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

पुलिस विभाग में पदस्थ रहे एएसआई चन्द्रिका प्रसाद ने 41 वर्ष तथा एएसआई राजाराम ने 37 वर्ष तक लगातार अपनी सेवा देकर 30 जून 2025 को सेवानिवृत्त हुये। सोमवार को जिला पुलिस कार्यालय में दोनों सेवानिवृत्त अधिकारियों के विदाई समारोह का आयोजन किया गया जिसमें सेवानिवृत्त एएसआई के परिजन भी मौजूद रहे। विदाई समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर समेत कई पुलिस अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

विदाई समारोह को संबोधित करते हुए डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने कहा कि सेवा में आए है तो सेवानिवृत्त होना एक प्रक्रिया है। जब हम अपनी सेवा के दौरान अच्छे कार्य करते है, आमजनता के भरोसे पर खरे उतरते है, अच्छे कार्य कर दूसरों की समस्या का समाधान करते है तब हमारी एक अलग पहचान बनती है। पुलिस की सेवा में कई बार कठिन स्थिति का सामना करना पड़ता है वह हमें नई चीजे सिखाता है। उन्होंने कहा कि सेवा निवृत्ति के बाद नई ऊर्जा के साथ एक नई शुरूवात करें। सेवानिवृत हुए दोनों एएसआई के अच्छे स्वास्थ्य एवं लंबी उम्र की कामना की। इस मौके पर डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने सेवानिवृत हुए एएसआई को साल-श्रीफल, स्मृति चिन्ह एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया और पेंशन स्वीकृति सहित देय स्वत्वों का भुगतान के आदेश सौंपा। इस दौरान सेवा निवृत्त हो रहे दोनों एएसआई द्वारा अपने सेवा के अनुभव को साझा किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, सीएसपी एस.एस.पैंकरा, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा,डीएसपी अनूप एक्का, रितेश चौधरी,रक्षित निरीक्षक, थाना प्रभारीगण, जिला पुलिस कार्यालय के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। सेवानिवृत्त हुए एएसआई चन्द्रिका प्रसाद का सोमवार को जन्म दिवस होने पर उनके परिजनों की मौजूदगी में केक कटवाकर जन्मदिवस मनाया गया। इस दौरान डीआईजी/एसएसपी सूरजपुर ने पुलिस परिवार सूरजपुर की ओर से एएसआई को जन्म दिवस की ढेरों शुभकामनाएं दी।

चरचा आरओ में कोयला राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने किया विकास कार्यों का शुभारंभ, 29 उत्कृष्ट कर्मचारियों का हुआ सम्मान

-संवाददाता-

बैकुंठपुर (कोरिया),1 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

भारत सरकार के कोयला राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे ने मंगलवार को एसईसीएल बैकुंठपुर क्षेत्र की प्रतिष्ठित भूमिगत खदान चरचा आरओ का दौरा किया। इस अवसर पर मंत्री का क्षेत्र में जोरदार स्वागत किया गया। उनके साथ पूर्व सांसद श्री प्रदीप गांधी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। मंत्री दुबे ने खदान परिसर में पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से अपनी माता के नाम पर पौधारोपण किया। उनके साथ मौजूद सभी अतिथियों और अधिकारियों ने भी सामूहिक रूप से पौधारोपण कर हरियाली को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। मंत्री ने इस दौरान चरचा आरओ में आधुनिक मुख्य पंखा घर और महिलाओं के लिए लेडीज बायो टॉयलेट का लोकार्पण किया। ये सुविधाएं खदान में वायु संचार और स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होंगी। इसके साथ ही उन्होंने वर्चुअल माध्यम से चिरमिरी स्थित एंसीपीएच खदान में भी विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ किया। एसईसीएल बैकुंठपुर क्षेत्र के मुख्य महाप्रबंधक श्री वी. एन. झा ने इस अवसर पर कहा कि चरचा आरओ का संचालन वर्ष 1963 से किया जा रहा है और पिछले वर्ष इस खदान ने 77 करोड़ रुपये का लाभ दिया है। उन्होंने आगे भी इस खदान को लाभकारी बनाए रखने की बात कही। साथ ही भूमिगत खदान में अब तक जिन कर्मचारियों ने अपने प्राण गंवाए, उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य निष्पादन, नियमित उपस्थिति और कार्य के प्रति निष्ठा के लिए 29 कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। सम्मानित कर्मचारियों में कविता किपोट्टा, प्रिया खाखा,पिंकी,श्यामजीत,दुलाब बंजारा,श्रीमती कुजूर, संतोष,अकल साय,साधु सिंह,बली राजक,दुर्गा सिंह,हेमंत कुमार,संजय सिंह, योगेंद्र अथिया,शैलेश तिवारी,पी.के. सक्सेना, कुमारी सरस्वती,दयाशंकर,अमीरा एक्का,राम गुलाम,भुल्का,रोहित,रवि रौशन कुमार,अनूप कुजूर,अशोक केशी,प्रकाश सासमाल,अजय मोदी,सोनू और श्रीमती हरमिनैया शामिल रहे। सभी को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में बैकुंठपुर विधायक बी एल राजवाड़े, कलेक्टर चंदन त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक रवि कुर्रे, जिला पंचायत सीईओ आशुतोष चतुर्वेदी, एसईसीएल के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पूर्ववर्ती सरकार में स्वीकृत रामगढ़ से कोटाडोल 46 करोड़ के सड़क निर्माण कार्य को प्रारंभ करने शीघ्र मिले अनुमतिः गुलाब कमरो

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने लोक निर्माण विभाग के सचिव को लिखा पत्र,क्या 46 करोड़ की भारी भरकम सड़क

क्या राजनीति का शिकार हो गई 46 करोड़ की सड़क?

उक्त सड़क की स्वीकृति कांग्रेस सरकार में 46 करोड़ की लागत से हुई थी, लेकिन सरकार बदलने के बाद ठंडे बस्ते में जाने से यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या उक्त सड़क कांग्रेस सरकार ने स्वीकृत किया था इस लिए भजपा सरकार इसे आगे बनाना नही चाहती,क्या यह सड़क राजनीति का शिकार हो गई, आखिर इतने ग्राम के लोगो की आवाज क्यों नही सुनी जा रही यह आम लोगो मे चर्चा का विषय है। खराब रस्ते के चलतेवर्तमान में बहुत कठिन है यहां का सफर- वर्तमान में रामगढ़ से कोटाडोल की सड़क की स्थिति बहुत ही खराब है,चार पहिया वाहनों का आवागमन में दम निकल जा रहा है ऐसी स्थिति में आपातकालीन समय मे ग्रामीणों को कितनी परेशानी होती होगी इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है, इस क्षेत्र में 108 और 102 कि सेवाएं भी बा मुश्किल ही मिल पाती हैं ऐसे में यदि सड़क बनती तो ग्रामीणों को बहुत फायदा होता।

पूर्व में भी भेजा था पत्र

उल्लेखनीय है कि भरतपुर सोनहत के पूर्व विधायक ने पूर्व में भी छत्तीसगढ़ शासन को पत्र लिख कर इस सड़क को शुरू करने की मांग किया था लेकिन कोई कार्यवाही नही हुई, पुर्व विधायक का कहना है जब राशि पूर्व से स्वीकृत है तो निर्माण चालू कराने में क्या दिक्कत है , काम होगा तो फायदा जनता को होगा क्षेत्र का विकास होगा, ऐसे ही रहा तो कुछ दिनों में उक्त सड़क की राशि लेप्स होने की संभावना बन सकती है इस लिए क्षेत्र की जरूरत और मांग अनुसार उक्त अति आवश्यक सड़क का निर्माण जल्द शुरू होना चाहिए।

निर्माण कार्य स्वीकृति उपरांत राजनीति का हुआ शिकार?

-राजन पाण्डेय-
कोरिया,1 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

भरतपुर-सोनहत क्षेत्र क्रमांक 01 के पूर्व विधायक एवं आदिवासी विकास प्राधिकरण के राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त पूर्व उपाध्यक्ष गुलाब कमरो ने कोरिया जिले के ग्राम रामगढ़ से ग्राम कोटाडोल तक प्रस्तावित 27.20 कि.मी. लम्बी सड़क के निर्माण कार्य को शीघ्र प्रारंभ करने की मांग की है।

पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने इस विषय में छत्तीसगढ़ शासन के लोक निर्माण विभाग के सचिव को पत्र प्रेषित कर आग्रह किया है कि द्वितीय अनुपूरक वर्ष 2022-23 में स्वीकृत इस निर्माण कार्य के लिए रु. 46.95 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति दिनांक 22 सितंबर 2023 को जारी की जा चुकी है। अब केवल शासकीय मितव्ययता के अंतर्गत वित्त विभाग की अनुमति अपेक्षित है। उन्होंने पत्र में यह भी उल्लेख किया कि यह मार्ग क्षेत्रीय जनता की जीवन रेखा है और इसके निर्माण से ग्राम रामगढ़, कोटाडोल सहित आसपास के अनेक गांवों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी,जिससे शिक्षा,स्वास्थ्य और आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। पूर्व विधायक कमरो ने शासन से आग्रह किया है कि जनहित को सर्वोपरि मानते हुए इस मार्ग निर्माण हेतु अनुमति शीघ्र प्रदान की जाए, ताकि कार्य प्रारंभ कर समय पर पूर्ण किया जा सके।

दर्जनों गांव को जोड़ने वाली सड़क का निर्माण ठंडे बस्ते में...रामगढ़ से कोटाडोल सड़क के बनने से देवसिल कटवार, रौंख मसर्रा, सोनवाहि, सीतापुर, नटवाहि, चुलादार कुहूकपुर सहित मनियारी बडेरा बड़गांव खुर्द बड़गांव कला सहित दर्जनों बड़े ग्राम के लोगो को लाभ मिलता लेकिन उक्त सड़क स्वीकृति पश्चात ठंडे बस्ते में चले जाने से ग्रामवासी मायूस है और आक्रोशित भी हैं उल्लेखनीय है कि पूर्व वर्ती सरकार में तत्कालीन विधायक से ग्रामीणों ने लगातार इस सड़क का मांग किया था जब जब विधायक का दौरा होता था ग्रामीणो की प्रमुख मांग यही रहती थी, ग्रामीणों की मांग पर विधायक गुलाव कमरो के लगातार प्रयास से तत्कालीन मुख्यमंत्री भुपेश बघेल ने इसकी घोषणा की और कार्य का स्वीकृति आदेश और राशि सरकार ने जारी कर दिया उक्त आदेश सितंबर 2023 में हुआ इसके बाद 2024 में सरकार बदल गई तब से उक्त सड़क स्वीकृति के बाद भी ठंडे बस्ते हैं।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने चिकित्सक दिवस के अवसर पर दी शुभकामनाएं

-संवाददाता-
रायपुर/एमसीबी/चिरमिरी,1 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर राज्य के सभी चिकित्सकों को अपनी शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि देश के प्रसिद्ध चिकित्सक और राजनेता डॉ विधान चंद्र रॉय के नाम पर हम राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस मनाते हैं। छत्तीसगढ़ के चिकित्सक सुदूर इलाकों में, जंगलों में,नक्सली क्षेत्रों में बहुत ही मुश्किल रास्तों को पार करके,कठिन परिस्थिति में कड़ी मेहनत करके लोगों की सेवा कर रहे हैं। कोरोना महामारी के समय चिकित्सकों ने जो काम किया उसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। मै उनके जज्बे,हौसले को सलाम करता हूं। साथ ही ये उम्मीद करता हूं कि वो ऐसे हे जनता की सेवा करते रहेंगे। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि डॉक्टर्स की मेहनत के कारण छत्तीसगढ़ का नाम आज चिकित्सा क्षेत्र के लिए एक जाना पहचाना नाम है। उनके इस योगदान के लिए पूरा राज्य उनका आभारी है। मै सभी चिकित्सकों को ,सपोर्टिंग स्टाफ को डॉक्टर्स डे की बधाई देता हूं।

डीआईजी/एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने पुलिस जवानों को दी खास सौगात

बर्थडे पर पुलिस जवानों को मिलेगी छुट्टी,थाना-चौकी स्तर पर भी मनाया जायेगा जन्मदिवस,पुलिस अधिकारियों के जन्मदिवस ढेरों बधाई देते हुए योजना की शुरूवात की...

-संवाददाता-
सूरजपुर,1 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

पुलिसकर्मियों को 24 घंटे सातों दिन काम करना होता है। काम की अधिकता और व्यस्तता के चलते कई बार उन्हें जरूरी होने पर भी छुट्टियां नहीं मिल पाती हैं, कई बार ऐसी घटनाएं हो जाती हैं कि भले ही उनका व्यक्तिगत कितना बड़ा काम क्यों न हो, उन्हें ड्यूटी पर आना ही पड़ता है। कई बार तो छुट्टी मिलने के बावजूद हालात को देखते हुए उन्हें अपनी छुट्टियां कैंसल करनी पड़ जाती हैं। लेकिन छत्तीसगढ़ के सूरजपुर पुलिस ने जवानों व अधिकारी को उनके बर्थ डे वाले दिन उन्हें ड्यूटी से राहत देते हुए उन्हें छुट्टी अथवा परमिशन दी जायेगी।

सोमवार,01 जुलाई 2025 को डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने थाना सूरजपुर में पदस्थ एएसआई नंदलाल सिंह व विवेकानंद सिंह के जन्मदिवस के अवसर पर केक कटवाकर उन्हें पुलिस परिवार की ओर से जन्म दिवस पर दीर्घायु व उज्जवल भविष्य की कामना कर ढेरों शुभकामनाएं देते हुए इस योजना की शुरूवात की है।

डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने कहा कि पुलिस कर्मचारी 24 घंटे सातों दिन ड्यूटी पर तैनात रहते हैं, कई पुलिस जवान को अपने ड्यूटी के चलते अपना जन्मदिन तक याद नहीं रहता अथवा वे मना नहीं पाते। वहीं कुछ अपने घर परिवार से दूर ड्यूटी पर तैनात होने के चलते बच्चें के साथ अपना जन्मदिन सेलिब्रेट नहीं कर पाते। इसी के चलते उन्हें अपने पुलिस परिवार का अहसास दिलाते हुए उन्हें जन्मदिन मनाने और उस दिन उन्हें ड्यूटी से राहत देते हुए छुट्टी अथवा परमिशन देने की हरसंभव प्रयास रहेगा। इस कदम का उद्धेश्य पुलिसकर्मियों को उनके जीवन में महत्वपूर्ण दिवस पर राहत प्रदान करना है, अब से पुलिस अधिकारी व जवान अपने परिवार के साथ अपना जन्मदिन मना पायेंगे। इसके लिए थाना-चौकी प्रभारियों को भी निर्देश दिए गए है। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, सीएसपी एस.एस.पैंकरा,डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप,एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा,डीएसपी अनूप एक्का, रितेश चौधरी,रक्षित निरीक्षक,थाना प्रभारीगण, जिला पुलिस कार्यालय के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा रोका गया 17 वर्षीय बालिका का विवाह

-संवाददाता-
सूरजपुर,1 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देश पर जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रमेश साहू के मार्गदर्शन में संयुक्त टीम लगातार बाल विवाह रुकवा रही है। वर्तमान प्रकरण में ग्रामीणों द्वारा सूचना दी गई कि एक 17 वर्षीय नाबालिग बालिका का विवाह रिस्तेदारो द्वारा उसके गांव से अन्यत्र उसकी बुआ के यहां ले जाकर विवाह कराया जा रहा है। जिसका सत्यापन आंगनबाडी कार्यकर्ता एवं पर्यवेक्षक से कराने पर शिकायत की पुष्टि होने पर जानकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी को दी गई, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रमेश साहू के निर्देश पर जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल के नेतृत्व में संयुक्त टीम जिला बाल संरक्षण इकाई, चाईल्ड लाईन, महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस बालिका के बुआ के घर पहुची। जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल ने बालिका के साथ उनके परिजनों को समझाईस दिया गया और बताया गया कि इतनी छोटी बच्ची का विवाह नहीं होना चाहिए बच्ची कक्षा 8 वीं तक की पढाई की है। उसे अभी स्कूल में पढ़ाई कराया जाना चाहिए और 18 वर्ष की हो तभी विवाह किया जाये। बाल विवाह के दुष्परिणामो एवं कानुनो के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। समक्षाईस पश्चात मौके पर यह बाल विवाह न करने हेतु बालिका का कथन, पंचनामा,बुआ,फूफा का कथन तैयार किया गया। बाल विवाह हो जाने की शंका पर बालिका को बाल कल्याण समिति में प्रस्तुत करने हेतु पंचनामा बनाकर रेस्क्यू कर बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष के निर्देश पर सखी वन स्टाप सेंटर सूरजपुर में संरक्षित किया गया।

जांच के द्वौरान बालिका कि बुआ द्वारा यह बताया गया कि इसी मंडप में अपने बेटे का विवाह कर रहे है बालक के दस्तावेज की भी जांच की गई बालक की उम्र अभी 18 वर्ष पूर्ण नहीं हुआ है। जांच के दौरान यह बात सामने आई कि बालक को एक 26 वर्षीय महिला द्वारा 2019 से बहला फुसलाकर प्रेम संबंध स्थापित कर विवाह कर अपने साथ रख कर लैगिक शोषण किया गया है। जिससे महिला गर्भवती हो गई एवं एक बालक को जन्म दी है। परिवार वालो द्वारा बालक एवं महिला का घर मे पुनः विवाह कराया जा रहा है। बालक की उम्र अभी विवाह योग्य नहीं हुई है। उक्त प्रकरण में गीता लैंगिक अपराधों से बालको का संरक्षण अधिनियम 2012 एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 की दोषी प्रतित होती है। जिस हेतु पंचनामा, गीता का कथन, बालक का कथन लिया गया। प्रकरण कार्यवाही हेतु लैगिक अपराधो से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 एवं बाल विवाह प्रतिशेध अधिनियम 2006 के तहत जांच कर अपराध कायम करने हेतु थाना प्रभारी भटगांव को पत्र जारी किया गया है।

जिले में सड़क एवं सड़क जैसी परिस्थिति में रहने वाले बच्चों का किया गया सर्वेक्षण

-संवाददाता-
सूरजपुर,1 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

छ.ग. राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग, रायपुर के निर्देश पर जिले में सड़क एंव सड़क जैसी परिस्थिति में रहने वाले बच्चों का सर्वेक्षण किया गया। जिला कलेक्टर श्री एस.जयवर्धन के आदेश पर महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रमेश साहू के मार्गदर्शन में जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल के नेतृत्व में इस प्रकार के बच्चों का सर्वेक्षण सूरजपुर के सभी 8 हॉटस्पॉट सहित अन्य विभिन्न स्थानों में चिन्हांकन एवं रेस्क्यू हेतु अभियान चलाया गया ।

उक्त संयुक्त टीम के द्वारा किराना दुकान,होटल,गैरेज,ईट भट्टा एवं कारखानों में निरीक्षण किया गया। जिसमें भिक्षावृत्ति में संलिप्त, बाल श्रम में लगे,घुमन्तु बच्चे,स्कूल ड्रॉप आउट बच्चों की पूछताछ की गई उपरोक्त सर्वेक्षण में सूरजपुर विश्रामपुर,प्रेमनगर,रामानुजनगर, भैयाथान,भटगांव,जरही स्थानों का सर्वेक्षण किया गया। कार्यक्रम 12 जून से 30 जून तक सर्वेक्षण किया गया, सर्वेक्षण कार्य महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला बाल संरक्षण इकाई, श्रम विभाग, पुलिस विभाग, चाईल्ड लाईन सम्मिलित है। उक्त चिंहाकन में जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री मनोज जायसवाल, श्रीमती अंजनी साहू सामाजिक कार्यकर्ता, पवन धीवर आउटरीच वर्कर, चाईल्ड लाईन से जनार्दन यादव, दिनेश यादव, रमेश साहू, प्रकाश राजवाडे, श्रम विभाग से श्री एम पी कादरी, पी एस एक्का, डोलामणी मांझी श्रम निरीक्षक एवं विवेक गुप्ता, ललित दुबे नगर सैनिक एवं पुलिस विभाग से श्री हरी शंकर सिंह उपस्थित रहे।

CMYK

भारत इंगलैण्ड मैच आज बर्मिघम में

जसप्रीत बुमराह बाहर,वॉशिंगटन सुंदर अंदर,ऐसी है टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन

टॉप आर्डर में नहीं होगा कोई भी बदलाव

चलिए बात की शुरुआत ओपनिंग से करते हैं। पहली बात तो ये है कि सलामी जोड़ी से शायद ही कोई छेड़छाड़ की जाए। यानी यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल एक बार फिर से भारत के लिए पारी का आगाज करते हुए नजर आएंगे। दोनों बल्लेबाजी पहले मैच में शतक लगाकर आ रहे हैं, इसलिए आत्मविश्वास से लवरेज हैं।

बर्मिंघम,01 जुलाई 2025। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला दो जुलाई से शुरू होने जा रहा है। पहला मुकाबला हारकर टीम इंडिया इस वक्त सीरीज में पीछे है। दूसरा मैच बर्मिंघम में होगा। इस मैच में टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन क्या होगी, इस पर से पर्दा तो मैच के दिन टॉस के वक्त ही उठेगा, लेकिन इससे पहले कुछ अपडेट जरूर सामने आ रहे हैं।

दूसरे टेस्ट के लिए भारत की संभावित प्लेइंग इलेवन: यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेट कीपर), करुण नायर, रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर/आकाशदीप, नितीश कुमार रेड्डी, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज।

जसप्रीत बुमराह का दूसरा टेस्ट खेलना काफी मुश्किल

अब ये करीब करीब तय हो चुका है कि बर्मिंघम में होने वाला दूसरा टेस्ट मैच जसप्रीत बुमराह नहीं खेलने वाले हैं। जाहिर है कि अगर बुमराह नहीं खेलेंगे तो प्लेइंग इलेवन में बदलाव तो करना ही पड़ेगा। माना जा रहा है कि वॉशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव में से किसी एक की प्लेइंग इलेवन में एंट्री हो सकती है। लेकिन भारतीय कप्तानों की सोच पिछले कई साल से ऐसी रही है कि गेंदबाज को भी बल्लेबाजी आनी चाहिए। कुलदीप यादव तो बल्लेबाजी नहीं करते हैं, लेकिन वॉशिंगटन सुंदर अच्छी बल्लेबाजी के लिए जाने और पहचाने जाते हैं।

साई सुदर्शन और करुण नायर को एक और मौका

अब बात करते हैं नंबर तीन की। जहां साई सुदर्शन को मौका दिया जा रहा है। पहले मैच में भले ही साई कुछ ना कर पाए हों, लेकिन इतना तो पक्का है कि उनकी जगह अभी नहीं जाएगी। वे खेलते हुए नजर आएंगे। यहां तक कि करीब आठ साल बाद टेस्ट टीम में वापसी करने वाले करुण नायर भी अपनी वापसी का जश्न नहीं माना पाए, लेकिन वे भी खेलते हुए दिखाई देंगे। यानी दोनों की जगह को कोई भी खतरा दिखाई नहीं दे रहा है।

इस बार कप्तान कितने ऑलराउंडर को देंगे मौका

शुभमन गिल और ऋषभ पंत खेलेंगे, लेकिन सवाल ये है कि टीम दो ऑलराउंडर लेकर मैदान में उतरेगी या फिर तीन ऑलराउंडर खेलेंगे। पिछले मुकाबले में शार्दुल ठाकुर और रवींद्र जडेजा के रूप में दो ऑलराउंडर खेलते हुए नजर आए थे,लेकिन रन किसी के भी बल्ले से नहीं आए। यहां तक कि ये दोनों ही गेंदबाज विकेट लेकर भी कुछ खास काम अपनी टीम के लिए नहीं कर पाए। इस बीच वॉशिंगटन सुंदर को मौका मिलने की संभावना काफी ज्यादा नजर आ रही है। एक तो सुंदर अलग किस्म के स्पिनर हैं और साथ ही बल्लेबाजी में भी कुछ रन टीम के लिए जोड़ने की क्षमता रखते हैं। साथ ही विचार इस बात पर भी चल रहा है कि शार्दुल ठाकुर की जगह नितीश कुमार रेड्डी को मौका दिया जाए।

इंडिया ने यूरोप दौरे के लिए संजय की अगुआई वाली इंडिया ए पुरुष हॉकी टीम की घोषणा की

नई दिल्ली,01 जुलाई 2025। हॉकी इंडिया ने मंगलवार को यूरोप के अपने आगामी दौरे के लिए इंडिया ए पुरुष हॉकी टीम की घोषणा की, जो 8 से 20 जुलाई तक चलेगा।इस दौरे में कुछ शीर्ष यूरोपीय टीमों के खिलाफ कुल आठ मैच खेले जाएंगे और इसका उद्देश्य उभरते और अनुभवी खिलाड़ियों के मिश्रण को मूल्यवान अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्रदान करना है।इंडिया ए टीम आयरलैंड,फ्रांस और नीदरलैंड के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगी, जबकि इंग्लैंड और बेल्जियम के खिलाफ एक-एक मैच खेलेगी। 20 सदस्यीय टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और होनहार युवाओं का मिश्रण है, जिन्होंने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय सर्किट में प्रभावित किया है। टीम की कप्तानी संजय करेंगे, जबकि मोइरंगथेम रबीचंद्र सिंह उनके डिप्टी होंगे।टीम में गोलकीपर पवन और मोहित होनेनहल्ली शशिकुमार तथा डिफेंडर प्रताप लाकड़ा, वरुण कुमार,अमनदीप लाकड़ा,परमोद और संजय शामिल हैं। मिडफील्ड विभाग में पूवन्ना चंदुरा बॉबी,मोहम्मद राहील मौसीन, मोइरंगथेम रबीचंद्र सिंह, विष्णुकांत सिंह, प्रदीप सिंह और राजिंदर सिंह मौजूद हैं,जबकि फॉरवर्ड लाइन अप में अंगदबीर सिंह, बॉबी सिंह धामी, मनिंदर सिंह, वेंकटेश केंचे, आदित्य अर्जुन लालगे, सेल्वम कार्ति और उत्तम सिंह शामिल हैं।स्टैंडबाय सूची में गोलकीपर अंकित मलिक, डिफेंडर सुनील जोजो और फॉरवर्ड सुदीप चिरमाको शामिल हैं।

यशस्वी जायसवाल ने बदल दिया अपना मूड

अब मुंबई के लिए ही डोमेस्टिक क्रिकेट लिए ही खेलते रहेंगे

नई दिल्ली,01 जुलाई 2025। यशस्वी जायसवाल इस वक्त इंग्लैंड में हैं,जहां भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। सीरीज के पहले मुकाबले में यशस्वी जायसवाल ने शतकीय पारी खेली थी,लेकिन वे अपनी टीम को जीत दिलाने में कामयाब नहीं हो पाए। इस बीच पिछले कुछ वक्त से जायसवाल के टीम बदलने को लेकर भी खबरें आ रही थीं। खबर आई थी कि जायसवाल अपनी डोमेस्टिक टीम बदलने जा रहे हैं। उन्हें एनओसी भी मिल गई थी, लेकिन अब लगता है कि उन्होंने अपना मूड बदल लिया है।

वापस मुंबई में लौटे जायसवाल

यशस्वी जायसवाल अभी मुंबई के लिए ही डोमेस्टिक क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे। पहले इस तरह की खबर आई थी गोवा से खेलने के लिए जायसवाल ने मुंबई से एनओसी मांगी थी,जो उन्हें मिल भी गई थी। अब क्रिकबज के हवाले से पता चला है कि 30 जून यानी सोमवार को मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने उन्हें वापसी की मंजूरी दे दी है। एमसीए के एक बयान में कहा गया है कि जायसवाल अगले सीजन मुंबई के लिए डोमेस्टिक सीजन खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे।

अब तक रणजी ट्रॉफी में ऐसा रहा है प्रदर्शन

जायसवाल का करिय अभी बहुत बड़ा नहीं है। उन्होंने मुंबई के लिए 10 रणजी ट्रॉफी मुकाबले खेलकर 863 रन बनाने का काम किया है। इसमें उनका औसत 53.93 का रहा है। जायसवाल अब तक चार शतक लगाने में कामयाब रहे हैं। लिस्ट ए क्रिकेट की बात की जाए तो वहां उन्होंने 25 पारियों में 1296 रन बनाए हैं। वहां उनका औसत 58 के करीब का है। इस फॉर्मेट में उन्होंने पांच शतक अपने नाम किए हैं।

फिलहाल इंग्लैंड सीरीज में बनाने होंगे जायसवाल को रन

जायसवाल जब डोमेस्टिक क्रिकेट खेलेंगे तब खेलेंगे, लेकिन इस बीच सभी नजर इंग्लैंड सीरीज पर है। यशस्वी जायसवाल को एक बार फिर से ओपनिंग करते हुए नजर आ रहे हैं। वे बल्लेबाजी तो ठीक कर रहे हैं, लेकिन कैचिंग में दिक्कत आ रही है। पिछले ही मैच में उन्होंने तीन से चार कैच छोड़ दिए, जो कहीं ना कहीं भारतीय टीम की हार का कारण बन गए। अब देखना होगा कि पहले मैच से जायसवाल ने कुछ सीखा है कि नहीं।

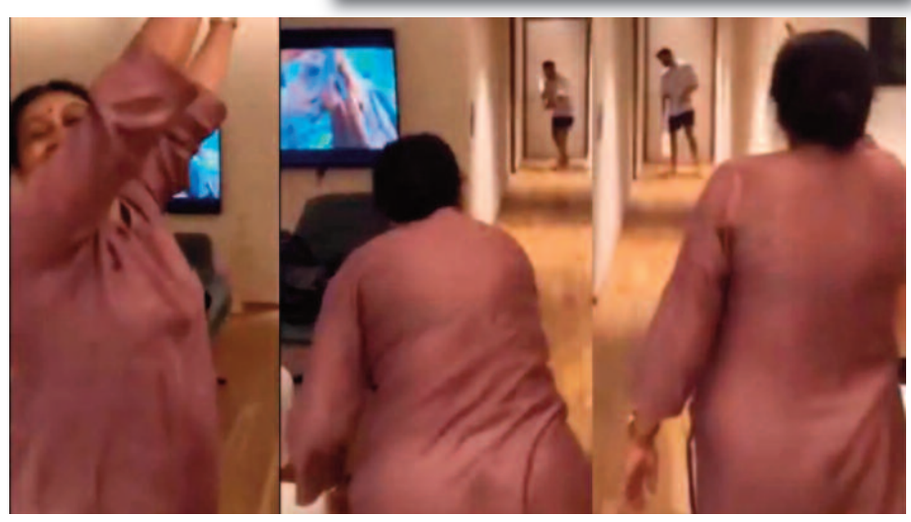

गैलरी क्रिकेट में मां की गेंद पर बोल्ड हुए श्रेयस अय्यर

वीडियो हुआ सोशल मीडिया पर वायरल,फैंस ने किए मजेदार कमेंट

नई दिल्ली,01 जुलाई 2025। सोशल मीडिया पर एक वीडियो इस वक्त काफी तेजी से वायरल हो रहा है। यह वीडियो टीम इंडिया के धाकड़ खिलाड़ी श्रेयस अय्यर से जुड़ा हुआ है। वायरल वीडियो में श्रेयस अय्यर अपने घर की गैलरी में मां के साथ क्रिकेट खेलते हुए नजर आ रहे हैं। इस दौरान उनकी मां उन्हें गेंदबाजी कर रही थी, जहां वह एक गेंद पर बोल्ड हो गए। अय्यर को आउट करने के बाद जिस तरह से उनकी मां ने जश्न मनाया वो फैंस को काफी पसंद आ रहा है। ये वीडियो पंजाब किंग्स ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। वीडियो पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा कि केवल इस बार सरपंच (नेता) को बोल्ड होने पर बुरा नहीं लगा होगा।

वीडियो को देखने के बाद फैंस ने किए ऐसे कमेंट्स

एक फैन ने इस वीडियो को देखने के बाद नवजोत सिंह सिद्धू के अंदाज में एक मजेदार कमेंट किया है। भरत जागोर नाम के इस यूजर ने लिखा कि गुरु, बॉल ने पड़ के जो कांटा बदला है उसका कोई जवाब नहीं...खटैक।

रद्द हो जाएगी भारत-बांग्लादेश सीरीज

नई दिल्ली,01 जुलाई 2025। भारतीय क्रिकेट टीम को अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ व्हाइट बॉल सीरीज खेलनी थी। इस सीरीज के लिए भारत को बांग्लादेश जाना है. ऐसे में इस सीरीज पर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं क्योंकि अभी भी सरकार की ओर से बीसीसीआई को इस सीरीज के लिए मंजूरी नहीं मिली है। क्रिकबज की रिपोर्ट की मानें तो बीसीसीआई अभी भी बांग्लादेश दौरे के लिए सरकार की मंजूरी का इंतजार कर रहा है. ऐसे में अभी के लिए इस सीरीज पर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं क्योंकि अगर सरकार भारतीय टीम को बांग्लादेश जाने की मंजूरी नहीं देता तो इस सीरीज पर खतरा मंडरा सकता है। इस समय दोनों देशों के राजनीतिक संबंध कुछ अच्छे नहीं हैं,जिसका असर इस सीरीज पर पड़ सकता है. बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम ने कहा,बीसीसीआई के साथ चर्चा चल रही है। ये चर्चा काफी सकारात्मक है। हम चर्चा कर रहे हैं कि सीरीज कैसे आयोजित कर सकते हैं। हम अभी अगर इस सीरीज की मेजबानी नहीं कर सकते हैं, तो इसे किसी अन्य संभावित समय पर आयोजित करेंगे।

रिटायरमेंट से पहले भारत में टेस्ट सीरीज जीतना

ग्रेनाडा,01 जुलाई 2025। ऑस्ट्रेलिया की टीम इस समय वेस्टइंडीज में है और पहला टेस्ट मैच जीतकर सीरीज में 1-0 से आगे है। दूसरा टेस्ट मैच 3 जुलाई से ग्रेनाडा में खेला जाएगा,जहां मेहमान ऑस्ट्रेलिया की कोशिश 3 मैचों की टेस्ट सीरीज में अपनी बढ़त को दोगुना करने की होगी। इस दौरे पर नाथन लियोन भी ऑस्ट्रेलियन टीम का हिस्सा हैं और पहले टेस्ट की दोनों पारियों में 3 विकेट निकालने में कामयाब रहे। अब उनकी नजरें दूसरे टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन करने पर लगी हैं। इस बीच नाथन लियोन का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने अपने रिटायरमेंट और विदेशी धरती पर ज्यादा से ज्यादा टेस्ट सीरीज जीतने की ख्वाहिश जाहिर की है। नाथन लियोन ने कहा है कि निकट भविष्य में उनका संन्यास का कोई इरादा नहीं है और वह इससे पहले भारत में एक टेस्ट सीरीज जीतना चाहते हैं। आस्ट्रेलिया ने 2004-05 के बाद भारत को उसकी धरती पर नहीं हराया है। लियोन ने 'क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू' से कहा कि वह भारत में टेस्ट सीरीज जीतना चाहते हैं। इंग्लैंड में भी सीरीज जीतना चाहते हैं। हमारे पास यह मौका होगा लेकिन हमें टेस्ट दर टेस्ट रणनीति बनानी होगी। हमें पहले यहां वेस्टइंडीज में शानदार प्रदर्शन करना है। इसके बाद एशेज खेलनी है। उनकी नजरें एक और वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल पर भी है।

सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट चटकाने वाले एक्टिव गेंदबाज

गौरतलब है कि 37 साल स्पिनर नाथन लियोन ने ऑस्ट्रेलिया के लिये 138 टेस्ट मैच खेले हैं और 556 विकेट अपने नाम किए हैं। लियोन टेस्ट क्रिकेट में 7वें सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वाले गेंदबाज हैं। शेन वॉर्न और ग्लेन मैक्ग्रा के बाद वह तीसरे सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज हैं। यही नहीं, नाथन सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट चटकाने वाले एक्टिव गेंदबाज भी हैं। भारत के खिलाफ उन्होंने 32 टेस्ट खेलकर 130 विकेट चटकाए हैं। हालांकि,भारत में टेस्ट सीरीज जीतने का उनका सपना अब तक अधूरा है। अब देखना दिलचस्प होगा कि उनका यह सपना पूरा हो पाता है या नहीं।

फोंसेका ने फर्नले को हराया

चोटिल त्सित्सिपास ने संन्यास लिया

लंदन,01 जुलाई 2025। ब्राजील के युवा खिलाड़ी जोआओ फोंसेका ने विंबलडन में शानदार शुरुआत करते हुए मेजर टूर्नामेंट में तुरंत प्रभाव डाला, उन्होंने पहले दौर में घरेलू पसंदीदा जैकब फर्नले को सीधे सेटों में हराया। ब्राजील के नेक्स्टजेनएटीपी स्टार ने फर्नले को 6-4, 6-1, 7-6(5) से हराया और 2021 में कार्लोस अल्काराज़ के बाद ग्रास मेजर टूर्नामेंट में दूसरे दौर में पहुँचने वाले पहले 18 वर्षीय खिलाड़ी बन गए।

एक अन्य पदार्पण करने वाले और फ्रांसीसी क्वालीफायर वैलेंटिन रॉयर भी अगले दौर में पहुँच गए, क्योंकि ग्रीक स्टार स्टेफानोस त्सित्सिपास को सोमवार को पीठ की चोट के कारण विंबलडन के अपने पहले मैच के दौरान संन्यास लेना पड़ा।

काजोल ने पति अजय देवगन और शाहरुख खान के बीच तालमेल का खुलासा किया

काजोल भारत की सबसे पसंदीदा अभिनेत्रियों में से एक हैं। वह वर्तमान में नई सुपरनैचुरल-थ्रिलर,माँ में अपने प्रदर्शन के लिए प्रशंसा बटोर रही हैं, जहाँ उन्होंने अंबिका की भूमिका निभाई है, एक माँ जिसकी बेटी को चंद्रपुर गाँव में एक राक्षस ने पकड़ लिया है। हाल ही में,उन्होंने अपने पति अजय देवगन और अपने अक्सर सह-कलाकार शाहरुख खान के बीच तनाव की अफवाहों को संबोधित किया। काजोल के अपने दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे के सह-कलाकार के साथ घनिष्ठ संबंध के कारण उनके रिश्ते के बारे में भी बहुत चर्चा हुई है। हाल ही में एक साक्षात्कार में,काजोल ने उनके बीच किसी भी तरह के तनाव की अफवाहों को निराधार बताते हुए हवा को साफ किया।

काजोल ने शाहरुख खान और अजय देवगन के बीच तनाव की अफवाहों को दूर किया काजोल ने कहा कि अजय और शाहरुख के बीच कोई अजीबोगरीब बात नहीं है। हालाँकि वे करीबी दोस्त नहीं हैं जो आकस्मिक रूप से घूमते हैं, लेकिन वे परस्पर सम्मान साझा करते हैं। उन्होंने कहा, वे एक साथ बीयर नहीं पीते हैं, लेकिन वे एक-दूसरे का सम्मान करते हैं। काजोल ने इस बात पर जोर दिया कि उनके बीच कभी भी किसी खास बात ने तनाव पैदा नहीं किया। अजय और उनके बीच आपसी समझ के आधार पर एक मजबूत रिश्ता है। वे एक-दूसरे की व्यक्तिगत पसंद का सम्मान करते हैं और एक ही दोस्त या रुचि रखने की ज़रूरत महसूस नहीं करते। उन्होंने कहा,हम अपनी पसंद के व्यक्ति हैं। यह आपसी सम्मान उन्हें बिना किसी परेशानी के एक स्वस्थ रिश्ता बनाए रखने में मदद करता है। अजय देवगन और शाहरुख खान के बीच लंबा इतिहास अजय देवगन और शाहरुख खान की फिल्में सन ऑफ़ सरदार और जब तक है जान दिवाली 2012 में टकराईं। दोनों फ़िल्में हिट रहीं,लेकिन शो और स्क्रीन से जुड़ा विवाद ज़रूर हुआ। कुछ सालों बाद बुल्गारिया में दोनों को साथ में खाना खाते हुए देखा गया और इसकी तस्वीरें सभी प्लेटफ़ॉर्म पर वायरल हो गईं। 2016 की बात करें तो अजय देवगन की शिवाय और करण जौहर की ऐ दिल है मुश्किल दिवाली पर टकराईं। करण जौहर की फ़िल्म में शाहरुख खान ने कैमियो किया था। इंटरनेट पर टकराव को लेकर इतनी चर्चा के बावजूद,शाहरुख और अजय देवगन के बीच अच्छे संबंध बने रहे। 2020 में शाहरुख खान ने तानाजी का पोस्टर शेयर किया और अभिनेता को 100 फ़िल्मों के लिए बधाई दी। पठान के साथ शाहरुख की ब्लॉकबस्टर वापसी के बाद,अजय देवगन ने सार्वजनिक रूप से उन्हें शानदार सफलता के लिए बधाई दी। दोनों, वर्तमान में एक विज्ञापन में स्क्रीन स्पेस साझा करते हैं। दिलचस्प बात यह है कि उन्हें पहली बार राकेश रोशन की करण अर्जुन में एक दूसरे के साथ कास्ट किया गया था। काजोल और अजय देवगन खुशहाल शादीशुदा हैं काजोल और अजय की बात करें तो, वे 1999 से शादीशुदा हैं और उन्होंने इश्क और प्यार तो होना ही था जैसी फिल्मों में साथ काम किया है। उनके दो बच्चे हैं, न्यासा और युग। अपने चुनौतीपूर्ण करियर के बावजूद,उन्होंने विश्वास और स्वतंत्रता के आधार पर एक ठोस साझेदारी बनाई है। काजोल की टिप्पणियाँ केवल यह दर्शाती हैं कि वे बेबुनियाद गपशप को नज़रअंदाज़ करते हुए व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन को कैसे संभालते हैं। शाहरुख के साथ उनकी लंबे समय से चली आ रही दोस्ती, जो सालों तक साथ काम करने से बनी है, उनकी शादी में कभी कोई समस्या नहीं बनी। शादी के बाद भी काजोल और शाहरुख ने कई फिल्मों में साथ काम किया है,जिनमें सबसे हालिया फिल्म दिलवाले है; जिससे यह साबित होता है कि उनके पति को शाहरुख के साथ फिल्मों में उनके काम करने पर कोई आपत्ति नहीं है।

त्रिशा कृष्णन चिरंजीवी के साथ विशेष भूमिका में शामिल हुई

मेगास्टार चिरंजीवी अपनी अगली फिल्म विश्वम्भर के साथ एक अभूतपूर्व तमाशा पेश करने जा रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन मल्लीदी वशिष्ठ ने किया है और इसमें मुख्य अभिनेत्री के रूप में त्रिशा कृष्णन हैं। हाल ही में, निर्माताओं ने फिल्म में देरी के बारे में सभी अटकलों को खारिज कर दिया और आश्वासन दिया कि दर्शकों के लिए इंतजार करना सार्थक होगा, क्योंकि फिल्म बेहद आशाजनक है। और अब, एक नवीनतम रिपोर्ट बताती है कि एक और नया कलाकार एक विशेष भूमिका के लिए फिल्म के कलाकारों में शामिल हो गया है। चिरंजीवी की विश्वम्भर में इस अभिनेत्री का होगा विशेष डांस नंबर? मनीकंट्रोल की एक हालिया रिपोर्ट से पता चलता है कि विश्वम्भर में बॉलीवुड अभिनेत्री मौनी रॉय का एक दमदार डांस नंबर होगा। वह पहली बार चिरंजीवी के साथ जोड़ी बनाएंगी और ट्रैक में उनकी शानदार उपस्थिति अंततः फिल्म को अखिल भारतीय अपील देगी। पोर्टल ने इस घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र के हवाले से बताया, ÷हम इस गाने के लिए किसी खास व्यक्ति की तलाश कर रहे थे, जो एक बेहतरीन डांस नंबर है और हमें लगता है कि मौनी इसके लिए सबसे अच्छी पसंद हैं। यह पूरी फिल्म में से एकमात्र ऐसा गाना है जो अभी तक पेंडिंग है और हमें यकीन है कि साउथ में उनकी शुरुआत धमाकेदार होने वाली है।÷

CMYK

छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति शीर्ष पर

देशभर में छाया, छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक पहल को उद्योगपतियों, निवेशकों और नीति विशेषज्ञों ने सराहा

रायपुर,01 जुलाई 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ इंडस्ट्री डायलॉग-2 ने सोशल मीडिया पर अभूतपूर्व लोकप्रियता हासिल की। राजधानी रायपुर में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान हैशटैग ने माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स पर पूरे दिन भारत में शीर्ष ट्रेंड्स में अपनी प्रमुख जगह बनाए रखी। यह ट्रेंड इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की नई पहल ने देशभर के उद्योग जगत और नागरिकों का ध्यान आकर्षित किया है। सोशल मीडिया पर 6000 से अधिक पोस्ट किए गए, जिनमें बड़ी संख्या में उद्योगपतियों, निवेशकों और नीति-विशेषज्ञों ने वन क्लिक सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 और ऑनलाइन भूमि आबंटन एवं प्रबंधन प्रणाली की सराहना की। यूजर्स ने इन पहलों को छत्तीसगढ़ को भारत का अगला निवेश और औद्योगिक हब बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम बताया।

छत्तीसगढ़ अब तेजी से निवेशकों की पहली पसंद बनने की ओर अग्रसर

ट्रेंड में भाग लेने वालों ने छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति को प्रगतिशील और दूरदर्शी बताया। कई यूजर्स ने यह भी लिखा कि राज्य सरकार की लॉजिस्टिक नीति, जन विश्वास विधेयक और बस्तर व सरगुजा जैसे क्षेत्रों के विकास संबंधी घोषणाओं ने छत्तीसगढ़ को पूरे देश में चर्चा का विषय बना दिया। यह ट्रेंड छत्तीसगढ़ के प्रति बढ़ती निवेशक रुचि और सकारात्मक भावना का प्रमाण है। सोशल मीडिया पर हुए जबरदस्त रिस्पॉन्स से स्पष्ट है कि छत्तीसगढ़ अब तेजी से निवेशकों की पहली पसंद बनने की ओर अग्रसर है।

प्रदेश की डिजिटल व्यवस्था अन्य राज्यों के लिए बन सकती है रोल मॉडल

अनेक एक्स यूजर्स ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की नेतृत्व क्षमता को सराहते हुए लिखा कि छत्तीसगढ़ ने जो पारदर्शी और डिजिटल व्यवस्था लागू की है, वह अन्य राज्यों के लिए रोल मॉडल बन सकती है। कुछ पोस्ट्स में इस बात पर जोर दिया गया कि प्रदेश में रिकॉर्ड समय में निवेश स्वीकृति, भूमि आवंटन और सब्सिडी वितरण जैसे कार्य अब एक क्लिक में पूरे होंगे, जिससे निवेशकों का विश्वास बढ़ा है।

दर्जनों बच्चों का हुआ गलत एडमिशन

- वेबसाइट भी किया गया हैक
- हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान हुआ उजागर

बिलासपुर,01 जुलाई 2025 (ए)। शिक्षा के अधिकार के तहत गरीब और जरूरतमंद बच्चों को स्कूलों में दाखिले के लिए की जा रही गड़बड़ियों को लेकर हाईकोर्ट में सुनवाई जारी है। इस सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने कोर्ट को बताया कि वर्ष 2025 में अब तक 591 शिकायतें मिली हैं। इनमें से कई मामलों में जांच की जा चुकी है और कई पर काम जारी है।

गलत दस्तावेज लगाकर कराया एडमिशन

भिलाई के समाजसेवी सी.वी. भगवंत राव की तरफ से दायर जनहित याचिका में आरोप लगाया गया है कि ईडब्ल्यूएस और बीपीएल वर्ग के बच्चों को दाखिले से वंचित किया गया है,जबकि गलत दस्तावेज लगाकर कई अपात्र बच्चों को एडमिशन दे दिया गया।
याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट में बताया कि दुर्ग जिले के 74 बच्चों का गलत तरीके से एडमिशन हुआ है, जिनमें बीपीएल और अंत्योदय कार्ड का दुरुपयोग हुआ है। साथ ही, आरटीई की वेबसाइट को हैक किए जाने की बात भी सामने आई है। इन 74 मामलों में से 4 बच्चों की ओर से अलग-अलग याचिकाएं दाखिल की गई हैं। सोमवार को हुई सुनवाई में राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता यशवंत सिंह ठाकुर ने जानकारी दी कि 2024-25 सत्र की 31 शिकायतों का निपटारा कर लिया गया है।

बच्चों के अधिकारों की अनदेखी न हो

इस मामले में अधिवक्ता संदीप दुबे ने हस्तक्षेप आवेदन भी दाखिल किया, जिस पर कोर्ट ने अगली सुनवाई में जवाब देने को कहा है। अब इस केस की अगली सुनवाई 11 जुलाई को होगी।

इससे पहले 6 मई को हुई सुनवाई में कोर्ट ने कहा था कि बच्चों के शिक्षा के अधिकारों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए, खासकर दुर्ग जिले में। कोर्ट ने राज्य सरकार से सभी लंबित और निपटाए गए मामलों का पूरा ब्योरा मांगा था।

सरकार को मिली हजारों शिकायतें

सरकार की ओर से पेश रिपोर्ट के मुताबिक राज्य स्तर पर 2025 में कुल 1626 शिकायतें मिलीं, जिनमें से 1585 का निपटारा किया जा चुका है और 41 लंबित हैं। 751 शिकायतें राज्य स्तरीय कार्यालय को भेजी गई थीं। स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव ने व्यक्तिगत हलफनामा पेश कर शिकायतों का सारणीबद्ध विवरण भी कोर्ट को सौंपा। हाईकोर्ट ने सरकार से कहा है कि 11 जुलाई तक सारी प्रगति रिपोर्ट पेश की जाए, ताकि तय किया जा सके कि बच्चों के साथ किसी तरह का भेदभाव न हो और आरटीई का सही तरीके से पालन हो।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

मनोज पिंगुआ को बनाया नोडल अधिकारी

रायपुर,01 जुलाई 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ शासन के गृह, जेल विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ को राज्य शासन ने बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। सरकार ने मनोज पिंगुआ को 2027 में प्रस्तावित राष्ट्रीय जनगणना कार्यक्रम के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। इस संबंध में आदेश भी जारी कर दिया गया है।

डिवीजन बेंच ने पोस्टिंग पर लगी रोक हटाई,सभी याचिकाएं खारिज

बिलासपुर,01 जुलाई 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए राज्य में प्राचार्य पदोन्नति पर लगी रोक को हटा दिया है। कोर्ट ने राज्य शासन की प्रमोशन नीति को वैध ठहराते हुए,इसके खिलाफ दायर सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया है। यह फैसला न्यायमूर्ति रजनी दुबे की डिवीजन बेंच द्वारा सुनाया गया है।

तीन माह के राशन वितरण की समय सीमा बढ़ी

- अब 7 जुलाई तक मिलेगा अनाज

रायपुर,01 जुलाई 2025 (ए)। प्रदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत जून, जुलाई और अगस्त माह का राशन एक साथ वितरित किया जा रहा है। हालांकि जून समाप्त हो जाने के बावजूद भी अब तक सभी हितग्राहियों को राशन नहीं मिल सका है। शासन द्वारा शुरू में वितरण की कोई स्पष्ट अंतिम तिथि तय नहीं की गई थी, जिससे उपभोक्ताओं और राशन दुकानदारों के बीच असमंजस की स्थिति बनी रही। कई स्थानों पर इस कारण विवाद भी देखने को मिला।

राजनादगांव में गोलीकांड को अंजाम देने वाला बदमाश एमपी से अरेस्ट

राजनादगांव,01 जुलाई 2025 (ए)। अवैध रेत खनन में गोलीकांड मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी कृष्णा उर्फ गोली गुर्जर को मध्यप्रदेश से गिरफ्तार कर के राजनांदगांव लेकर आई है। आरोपी के कब्जे से देशी कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। आरोपी आदतन बदमाश है,उसके खिलाफ पहले भी अपराध दर्ज किए गए हैं। अबतक इस मामले में 8 लोगों की गिरफ्तारी हुई है।

मुख्यमंत्री सचिवालय से अनुमोदन के बाद होंगे ट्रांसफर

30 जून को प्रतिबंध के बाद अब बेक डेट से जारी होगी ट्रांसफर लिस्ट

रायपुर,01 जुलाई 2025 (ए)। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा शासकीय कर्मचारियों के स्थानांतरण पर अब प्रतिबंध लगा दिया गया है। राज्य में पुलिस, स्कूल शिक्षा में स्थानांतरण रोक दिए गए हैं। लेकिन वाणिज्यकर, स्वास्थ्य, वित्त तथा राजस्व में बड़ी संख्या में स्थानांतरण हुए हैं। अब कृषि विभाग की एक लम्बी चौड़ी लिस्ट निकलने वाली है। मुख्यमंत्री कार्यालय में समन्वय की मंजूरी के बाद ही स्थानांतरण हो सकते हैं। मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री द्वारा इस वर्ष स्थानांतरण पर प्रतिबंध हटाया गया था। 24 से 25 जून तक यह छूट दी गई थी। इसके बाद 30 जून तक तिथि बढ़ा दी गई थी। इस बीच में वाणिज्यिकर,वित्त तथा स्वास्थ्य में बड़ी संख्या में स्थानांतरण किए गए। मुख्यमंत्री के भार साधक विभाग जैसे खनिज,स्कूल शिक्षा, जनसंपर्क, सामान्य प्रशासन विभाग के अंतर्गत आने वाले उप जिलाधीशों तथा पुलिस महकमें में स्थानांतरण नहीं हुए हैं। पुलिस विभाग में स्थापना बोर्ड द्वारा स्थानांतरण किया जाता है। स्थापना बोर्ड कभी भी स्थानांतरण कर सकता है। प्रथम श्रेणी के अधिकारी को छोड़कर शेष कर्मचारियों की सेवाओं दूसरे विभाग, संस्था में प्रतिनियुक्ति एक्स कैडर पर पदस्थापना कर डिप्लाइमेंट में सौंपा जाना शामिल है। पुलिस और शिक्षा विभाग को तबादलों से अलग रखा गया है।

समन्वय समिति की अनुशंसा से होगी स्थानांतरण

सामान्य प्रशासन विभाग के अनुसार मुख्यमंत्री की अनुशंसा के पश्चात ही प्रस्तावित पदस्थापना जिले में की जा सकेगी। इसके लिए भार साधक मंत्री एवं विभागीय मंत्री की अनुशंसा आवश्यक होगी। ज्ञात रहे शिक्षा विभाग में स्थानांतरण नहीं हो पाया है, इसके चलते विधायक काफी परेशान हैं। विधानसभा सत्र में विधायकों द्वारा स्थानांतरण को लेकर दबाव बनाया जाएगा।

कृषि वित्त विभाग में होंगे स्थानांतरण

कृषि विभाग के अंतर्गत आने वाले उप संचालक,सहायक संचालक, ग्रामीण विस्तार अधिकारी की एक बड़ी सूची आजकल में आने वाले हैं। आदिम जाति विभाग में पूरे स्थानांतरण हो गए हैं। शिक्षा विभाग में युक्तियुक्तरण के चलते स्थानांतरण नहीं हो पाए हैं। लोक निर्माण तथा सिंचाई विभाग में भी स्थानांतरण बेक डेट से किया जाएगा।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर सम्मान समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर,01 जुलाई 2025 (ए)। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर आयोजित चिकित्सक सम्मान समारोह में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल हुए। समारोह में मुख्यमंत्री ने समाज सेवा और स्वास्थ्य क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले चिकित्सकों को सम्मानित किया और उनके समर्पण की सराहना की।

आनंद प्रकाश सोलंकी को सेवा निवृत्ति पर दी गई गरिमामय विदाई

रायपुर,01 जुलाई 2025 (ए)। जनसंपर्क विभाग में 31 वर्षों तक अपनी उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले उप संचालक श्री आनंद प्रकाश सोलंकी के सेवानिवृत्ति अवसर पर 30 जून सोमवार को जनसंपर्क संचालनालय में एक गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अपर संचालक श्री जे एल दरियो, अपर संचालक श्री उमेश मिश्रा एवं अपर संचालक श्री संजीव तिवारी सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने श्री सोलंकी की सेवा,समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा और योगदान को याद करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी।

बाल संप्रेक्षण गृह से दो किशोर हुए फरार

- दो दिन पहले ही नये भवन में किया गया था शिफ्ट
- प्रबंधन की लापरवाही फिर हुई उजागर
- 25 लाख खर्च हुए मगर सुरक्षा के नहीं किये गए माकूल इंतजाम

कोरबा,01 जुलाई 2025 (ए)। बालको में ठीक थाने के सामने स्थित बाल संप्रेक्षण गृह से सोमवार को आधी रात के बाद शौच के नाम पर ऊपरी मंजिल में गए दो किशोर बाथरूम का रौशनदान तोड़कर फरार हो गए। इनमें से एक चोरी और लूटपाट तथा दूसरा पॉक्सो एक्ट का आरोपी है। इस घटना के बाद बाल संप्रेक्षण गृह के नये भवन की सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान लग गया है। किशोरवय विधि से संघर्षरत अपचारी बालकों को निरुद्ध रखने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शासकीय बाल संप्रेक्षण गृह का संचालन किया जा रहा है। कोरबा में पूर्व में ग्राम रिसदी में किराए के मकान में इसका संचालन भारी अव्यवस्था के बीच हो रहा था। वहीं निर्माणाधीन भवन में एप्रोच रोड नहीं होने के बहाने अफसर सालों से वहां भवन शिफ्ट करने से बचते रहे। दरअसल एक माह पूर्व ही बाल आयोग की अध्यक्ष वर्णिका शर्मा ने पुराने भवन के निरीक्षण के दौरान काफी नाराजगी जाहिर की और सप्ताह भर में नई व्यवस्था के निर्देश दिए। इसके बाद 9 करोड़ की लागत से बने नये भवन में शिफ्ट करने की बजाय आनन-फानन में 25 लाख रुपए का इंतजाम किया गया और डेढ़ दशक पहले बालको थाने के लिए बने भवन को रेनोवेट कर बाल संप्रेक्षण गृह की शिफ्टिंग का इंतजाम किया गया। बीते शुक्रवार को ही अपचारी बालकों को यहां शिफ्ट किया गया और दो दिनों के भीतर ही यहां की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खुल गई।

आदतन अपराधी और आदतन भगोड़ा

बता दें कि चोरी और लूटपाट के मामले में जांजगीर के एक 16 वर्षीय किशोर को बाल संप्रेक्षण गृह में 19 जून 2025 को किशोर न्याय बोर्ड के आदेश पर निरुद्ध किया गया, वहीं छेड़छाड़ व पॉक्सो एक्ट के मामले में कोरबा के एक अन्य 17 वर्षीय किशोर को यहां 16 जून 2025 को निरुद्ध किया गया। 30 जून को तड़के 4 बजे दोनों अपने कमरे से निकलकर बाथरूम जाने के लिए निकले और रोशनदान की जाली तोड़कर पाइप के सहारे नीचे उतरकर फरार हो गए। मिली जानकारी के मुताबिक जांजगीर का जो किशोर होम्स से फरार हुआ है उसके खिलाफ चोरी और लूटपाट के आधा दर्जन मामले दर्ज हैं और वह रिसदी स्थित पुराने भवन से पहले भी फरार हो चुका हैं। वहीं यह भी बता दें कि रिसदी स्थित भवन से बालकों के फरार होने के आधा दर्जन से भी अधिक मामले घटित हो चुके हैं और वहां से फरार एक बालक आज तक पकड़ा नहीं जा सका है।

रेरा ने 136 बिल्डर को जारी किया नोटिस

रायपुर,01 जुलाई 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण ने राज्य में ऐसे 106 प्रोजेक्ट्स की पहचान की है जो टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग से स्वीकृत होने के बावजूद अब तक रेरा अधिनियम के तहत पंजीकृत नहीं हुए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इन प्रोजेक्ट्स का निर्माण अथवा विक्रय कार्य बिना वैधानिक रेरा पंजीकरण के किया जा रहा था, जो कि न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि उपभोक्ताओं के हितों के लिए भी अत्यंत नुकसानदेह है। प्राधिकरण ने इन सभी प्रोजेक्ट्स के प्रमोटरों को नोटिस जारी करते हुए उनसे स्पष्टीकरण मांगा है। साथ ही यह स्पष्ट किया गया है कि रेरा अधिनियम, 2016 का पालन सुनिश्चित करना प्रत्येक प्रमोटर की जिम्मेदारी है।

जगदलपुर से रायपुर आ रही बस यात्री बस ने हाइवा को मारी टक्कर,3 लोगों की मौत,कई घायल

रायपुर,01 जुलाई 2025 (ए)। राजधानी रायपुर से लगे केंद्री में मंगलवार तड़के जगदलपुर से रायपुर आ रही बस ने हाइवा को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में महिला समेत 3 लोगों की मौत गई, जबकि कई घायल हुए हैं। घटना घटना सुबह करीब 4:15 बजे की बताई जा रही है।जानकारी के मुताबिक, रॉयल ट्रेवल्स की यात्री बस सीजी 04 ई 4060 जगदलपुर से रायपुर की ओर आ रही थी। अभनपुर के केंद्री गांव के पास बस ने हाइवा को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बलराम पटेल, अजहर अली और बरखा ठाकुर की मौत हो गई है।हादसे में धनीराम सेठिया,गणेश्वर प्रसाद बर्मन,तीजन यादव,भूषण निषाद,सुमन देवी और संध्या कुमार घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए अभनपुर के शासकीय अस्पताल भेजा गया है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतकों के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के कारणों की जांच जारी है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)